दैनिक
पुष्पांजली टुडे
नई सोच नई पहल

वर्ष 03 : अंक : 340 | ग्वालियर, गुरुवार 21 जनवरी 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

शशि थरूर ने की भविष्यवाणी, विराट कोहली के बाद शुभमन गिल को बताया टीम इंडिया का अगला कप्तान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम ने जिस तरह का खेल ऑस्ट्रेलिया में दिखाया है उसके बाद हर कोई टीम इंडिया का फैन हो गया है। सीरीज के दौरान लगातार खिलाड़ी चोटिल होते रहे लेकिन इसके बावजूद भी टीम इंडिया युवा खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया को उसी की सरजमीं पर हराने में कामयाब रही। बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज में जिन युवा खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया उनमें से शुभमन गिल, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, नवदीप सैनी, और टी नटराजन का नाम शामिल है। सांसद शशि थरूर ने भविष्यवाणी करते हुए कहा कि विराट कोहली के बाद शुभमन गिल टीम इंडिया के कप्तान होंगे। स्पोर्ट्स कीड़ा से बात करते हुए शशि थरूर कहा, यह युवा खिलाड़ी इस तरह से व्यवहार करता है जैसे इसके कंधे पर बड़ी जिम्मेदारियां हो। अगर वह यही करने में कामयाब रहा अगले कुछ साल, तो वह इस टीम का कप्तान बन सकता है। वह एक शानदार खिलाड़ी है जो समूह को लेकर आगे बढ़ सकता है। उन्होंने कहा, उसके बारे में बहुत चीजें है जिसकी चर्चा हो सकती है। एक चीज जो मुझे 21 वर्षीय खिलाड़ी को देखकर लगा यह आत्मविश्वास से पूरा भरा हुआ है। और सबसे अच्छी बात वह शांत रहता है। उसके आसपास किसी प्रकार की नर्वस एनर्जी नहीं दिखेगी। और ये बातें मुझे प्रभावित करती हैं। शुभमन गिल ने ब्रिसबेन टेस्ट मैच की आखिरी पारी में 91 रन बनाए। वह ऑस्ट्रेलिया का खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज की 6 पारियों में 259 रन बनाए थे। गिल को पहली बार तब मौका मिला जब पृथ्वी शॉ प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा। गिल ने अपनी पहली टेस्ट पारी में 45 रन बनाए और मिले मौके को जानें नहीं दिया। शुभमन गिल इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने जा रही टेस्ट सीरीज में भी खेलते हुए दिखाई देंगे। गिल, रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग करेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में विराट कोहली और ईशांत शर्मा की भी टीम में वापसी हो रही है। इंग्लैंड के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 5 फरवरी से खेला जाएगा।

कंगना के अकाउंट पर ट्विटर ने लगाया अस्थायी प्रतिबंध

मुंबई। एक्ट्रेस कंगना रनौत के ट्विटर अकाउंट को अस्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दिया गया है। खुद कंगना रनौत ने ट्वीट कर यह जानकारी दी है। कंगना रनौत ने लिखा है, लिबरल्स के ट्रेंड करने के चलते मेरा अकाउंट अस्थायी रूप से प्रतिबंधित हो गया है। वे लोग मुझे चेतावनी दे रहे हैं कि मेरा अकाउंट कभी भी देश के लिए शहीद हो सकता है। मेरा नया देशभक्त वर्जन जल्दी ही मेरी फिल्मों के जरिए आने वाला है। तुम्हारा जीवन दुश्वार करके रहूंगी।

वेब सीरीज तांडव पर हुए जांच करने मुंबई पहुंची यूपी पुलिस-हाल ही में उन्होंने किसान आंदोलन को लेकर कई बार टिप्पणियां की थीं, जिसके चलते पंजाबी स्टार दिलजीत दोसांझ से उनकी तीखी झड़प हुई थी। इससे पहले सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद भी उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में वंशवाद को लेकर खुलकर अपनी राय रखी थी। इसके चलते भी उनकी फिल्म इंडस्ट्री की कई हस्तियों से तीखी बहस हुई थी।

इन फिल्मों में नहीं चला मिस्टर खिलाड़ी का जादू, हुई सुपर फ्लॉप-अपने फायरब्रांड ट्वीट्स के अलावा कंगना रनौत सोशल मीडिया के जरिए ही अपनी फिल्मों के बारे में भी जानकारी देती रही हैं। बता दें कि कंगना रनौत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अकाउंट पर बैन लगाए जाने के खिलाफ ट्वीट किया था।

नंदीग्राम को जहां होने जा रहा है पश्चिम बंगाल का सबसे बड़ा संग्राम

कैसे हिंदू-मुसलमान में बंट रही है सियासत

नंदीग्राम। रक्तरंजित नंदीग्राम के संघर्ष ने ममता बनर्जी को एक जुझारू जन नेता की पहचान दी और अब इसी जमीन पर उन्हें कभी उन्हीं के सिपहसालार रहे शुभेंदु अधिकारी से मिल रही है कड़ी चुनौती। आम तौर पर ग्रामीण और शहरी पश्चिम बंगाल की विशेषताओं को अपने में समेटे सामान्य कृषि क्षेत्र नजर आने वाले इस इलाके को भू-अधिग्रहण विरोधी संघर्ष ने राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों ने ला दिया था। विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे करीब आ रहे हैं एक बार फिर यहां संघर्ष का खतरा मंडराने लगा है जिससे नंदीग्राम की शांति भंग होने का अंदेशा है।

औद्योगीकरण के लिए सरकारी भूमि अधिग्रहण के खिलाफ कभी काफी हद तक एक जुट होकर सबसे खूनी संघर्ष का गवाह बना नंदीग्राम आज सांप्रदायिक आधार पर ध्रुवीकृत नजर आता है। प्रदेश में तत्कालीन वामपंथी सरकार द्वारा यहां विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) बनाने के लिए भूमि अधिग्रहण के खिलाफ 2007 में हर तरफ सुनाई देने वाले नारे तोमर नाम, अमार नामज्नंदीग्राम, नंदीग्राम (तुम्हारा नाम, मेरा नाम नंदीग्राम, नंदीग्राम) से यह इलाका अब काफी आगे निकल आया है। आज नंदीग्राम की दीवारों पर धुंधले दिखाई देते तोमार नाम अमार नाम, नंदीग्राम, नंदीग्राम की जगह जय श्री राम का नारा प्रमुखता से दिखता है। शुभेंदुइस

सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की सबसे बड़ी वजह क्षेत्र के कद्दावर नेता और तृणमूल कांग्रेस में अहम जिम्मेदारियां संभाल चुके शुभेंदु अधिकारी का भाजपा में शामिल होना और फिर ममता बनर्जी का यहां से चुनाव लड़ने की घोषणा करना है। बनर्जी द्वारा सोमवार को की गई घोषणा का पूरे पूर्वी मिदनापूर्व जिले में असर होगा। बनर्जी और अधिकारी दोनों ही नंदीग्राम आंदोलन के नायक रहे हैं। टीएमसी सुप्रीमों पथ प्रदर्शक के तौर पर रहीं तो अधिकारी जमीनी स्तर पर उनके सिपहसालार रहे जो एसईजेड के खिलाफ जन रैलियों का आयोजन करते थे। इस एसईजेड में इंडोनेशिया के सलीम समूह द्वारा रसायनिक केंद्र स्थापित किया जाना था। टीएमसी के लोकसभा सदस्य और अधिकारी के पिता शिशिर तब भूमि उच्छेद प्रतिरोध समिति (बीयूपीसी) के संयोजक थे। इस समिति में विभिन्न राजनीतिक विचारधारा के लोग शामिल थे। टीएमसी, कांग्रेस, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और यहां तक की वाम दलों के असंतुष्ट सदस्यों ने भी सरकार के साथ एकजुट होकर यह संघर्ष किया। पश्चिम बंगाल की सियासत में वामदलों और कांग्रेस के हाशिये पर जाने के बाद नंदीग्राम में बनर्जी की टीएमसी और भाजपा के बीच एक कड़ी और कड़वाहट भरी सियासी जंग के आसार बन रहे हैं। विरोधी दलों की रैलियों पर हमले हो रहे हैं, लोग जख्मी हो रहे हैं। बीयूपीसी के संघर्ष के बाद इस क्षेत्र में कोई उद्योग नहीं आया और नंदीग्राम की अर्थव्यवस्था का मुख्य रूप से कृषि उत्पादों, चावल और सब्जियों और आसपास के इलाकों में ताजा मछली की आपूर्ति पर टिकी है। नंदीग्राम में 2007-11 के बीच संघर्ष से यहां की शांति भंग हुई जब बूयीपीसी और माकपा समर्थकों के बीच हुई झड़प में कई लोग मारे गए लेकिन इसके बावजूद इलाके में कभी धार्मिक या सांप्रदायिक आधार पर ध्रुवीकरण नहीं हुआ और मतभेद पूरी तरह राजनीतिक ही थे। भू-अधिग्रहण विरोधी आंदोलन में हिस्सा ले चुके स्थानीय निवासी रसूल काजी ने बताया, बीते छह-सात सालों में नंदीग्राम काफी बदल गया है। पहले सभी समुदाय यहां मिलजुल कर शांति से रहते थे।

किसान आंदोलनः पैनल बदलने की किसानों की मांग पर भड़का कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में तीन कृषि कानूनों को लेकर किसान और केंद्र के बीच छिड़ी जंग को सुलझाने के लिए एक समिति का गठन किया था। लेकिन अब एक किसान संगठन ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया है कि नए किसान कानूनों को लेकर प्रदर्शनकारी किसानों और केंद्र सरकार के बीच गतिरोध को हल करने के लिए शीर्ष अदालत द्वारा गठित पैनल से सदस्यों को हटाया जाए। शनिवार को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दायर एक हलफनामे में, भारतीय किसान यूनियन, लोकशक्ति ने पक्षपात की संभावना जताते हुए कहा था, इन व्यक्तियों को सदस्य के रूप में गठित करके न्याय के सिद्धांत का उल्लंघन होने वाला है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त सदस्य, किसानों को समान मापदंडों पर कैसे सुनेंगे जब उन्होंने पहले से ही इन तीनों कृषि कानून का समर्थन किया हुआ है।

मुख्य न्यायाधीश एसए बोबडे ने सुनवाई के दौरान कहा- हमने समिति में विशेषज्ञों को नियुक्त किया है क्योंकि हम विशेषज्ञ नहीं हैं। आप समिति में किसी पर संदेह कर रहे हैं क्योंकि उसने कृषि कानूनों पर विचार व्यक्त किए हैं? पैनल फैसला सुनाने का आधिकार नहीं है तो इसमें पक्षपात कहां से आ गया। वे कृषि क्षेत्र में प्रतिभाशाली दिमाग वाले लोग हैं। आप उनका नाम कैसे मलिन कर सकते हैं? यूनियन ने अपनी याचिका में इस पैनल में विरोध प्रदर्शन करने वाले कृषि नेताओं के साथ सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश की नियुक्ति करने का अनुरोध किया है। स्ट ने 12 जनवरी को किसानों की शिकायतों को सुनने और आठ सप्ताह में एक रिपोर्ट पेश करने के लिए चार सदस्यीय समिति का गठन किया था।

भीषण ठंड और कोहरे के चलते अंधेरे का फायदा उठा रहे हैं चोर, डिस्कॉम के सब स्टेशनों से ट्रांसफार्मर हो रहे चोरी

अजमेर। राजस्थान के अजमेर जिले में भीषण ठण्ड के बीच चोरों का आतंक फिर से शुरू हो चुका है। चोर आजकल हाई-वे से सटे गांवों में डिस्कॉम के सब स्टेशनों, औद्योगिक क्षेत्रों सहित अन्य क्षेत्रों के ट्रांसफार्मर पर हाथ साफ कर रहे हैं। इस चोरी के मामले में डिस्कॉम के कनिष्ठ अभियंता आकाश हरिवंश ने रिपोर्ट में बताया कि, लाडपुरा में गगवाना रोड पर हाई-वे के समीप सिंगल फेज का ट्रांसफार्म लगा है। इससे गांव के 30-35 घरों में बिजली सप्लाई की जाती है। चोरों ने ट्रांसफार्मर गिराकर उसमें से ऑयल और कॉपर वायर निकाल लिया। इससे डिस्कॉम को करीब 90,000 रुपए का नुकसान हुआ है। शातिर चोरों ने पहले ट्रांसफार्मर से गांव की सप्लाई काटी और फिर वारदात को अंजाम देकर रफूचक्कर हो गए।

पश्चिम बंगाल चुनाव में बीजेपी की तरफ से नहीं होगा कोई मुख्यमंत्री का चेहराः कैलाश विजयवर्गीय

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव सिर पर हैं। इसे जीतने के लिए बीजेपी ने एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया है। हालांकि, सवाल बार-बार यह खड़ा होता है कि ममता बनर्जी का सामना करने के लिए आखिरकार बंगाल में बीजेपी किसे मुख्यमंत्री का चेहरा बनाकर चुनाव लड़ेगी? अब राज्य में बीजेपी के प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय ने साफ कर दिया है कि उनकी पार्टी बिना मुख्यमंत्री के चेहरे के ही पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव लड़ने जा रही है।

पश्चिम बंगाल में इसी साल अप्रैल या मई में विधानसभा चुनाव होने हैं। कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि जहां बीजेपी की सरकार नहीं होती वहां कभी भी मुख्यमंत्री का चेहरा

नहीं होता इसलिए पश्चिम बंगाल में भी बीजेपी की तरफ से मुख्यमंत्री का कोई चेहरा नहीं होगा। बता दें कि बीते महीने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल का दौरा किया था। उस समय उन्होंने कहा था कि अगर भाजपा 2021 विधानसभा चुनाव जीतेगी तो 'माटी का लाल' ही यहां का मुख्यमंत्री बनेगा। वहीं, हाल ही में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने आगामी विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम से विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने का ऐलान किया था नंदीग्राम को शुभेंदु अधिकारी का गढ़ माना जाता है, जो अमित शाह के बंगाल दौरे के वक्त ही टीएमसी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए थे।

नंदीग्राम में 62 हजार वोटों के सहारे ममता

मेरे पास जय श्री राम का नारा लगाने वाले 2.13 लाख लोगः शुभेंदु अधिकारी

हुगली। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेता शुभेंदु अधिकारी ममता बनर्जी के उनके गढ़ नंदीग्राम से चुनाव लड़ने के ऐलान के बाद से बेहद हमलावर हैं। उन्होंने ऐलान कर दिया है कि यदि उन्होंने ममता बनर्जी को यहां नहीं हराया तो राजनीति छोड़ देंगे। इस बीच एक बार फिर उन्होंने ममता के खिलाफ जीत का दावा करते हुए कहा है कि उनके साथ जय श्री राम का नारा लगाने वाले 2.13 लाख लोग हैं।

शुभेंदु अधिकारी ने हुगली में आयोजित एक रैली में कहा, नंदीग्राम से बीजेपी के टिकट पर जो भी लड़े, उसकी जीत सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी

मैं लेता हूं। दीदी (ममता बनर्जी) ने 62 हजार वोटों पर भरोसा करके यहां से लड़ने का दावा किया है, लेकिन मेरे पास 2.13 लाख लोग हैं जो जय श्री राम का नारा लगाते हैं। माना जा रहा है कि उन्होंने मुस्लिम मतदाताओं को ममता के साथ बताया है तो हिंदू वोट बीजेपी को मिलने का दावा किया है। शुभेंदु यहीं नहीं रुके और एक बार फिर टीएमसी नेता सुब्रत बख्शी के बयान का हवाला देते हुए कहा कि नंदीग्राम के लोग इसका जवाब देंगे। पश्चिम बंगाल चुनाव में जय श्री राम को चुनावी नारा बनता दिख रहा है।

बाइडेन के शपथ ग्रहण से पहले अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में बम विस्फोट की धमकी से सनसनी

वॉशिंगटन। अमेरिका में नए राष्ट्रपति जो बाइडेन के शपथ ग्रहण से ठीक पहले सुप्रीम कोर्ट में बम धमाके की धमकी से सनसनी फैल गई। आनन-फानन में सुप्रीम कोर्ट की इमारत में तलाशी अभियान चलाया गया। हालांकि, तलाशी में सुरक्षाबलों को अभी तक कुछ नहीं मिला है। कोर्ट के प्रवक्ता काथलीन अरबेर्ग ने कहा, कोर्ट को बम की धमकी दी गई, इमरात और मैदान को जांचा गया है। इमारत को खाली नहीं कराया जा रहा है। कोर्ट अमेरिकी संसद के पास ही है, जहां बाइडेन राष्ट्रपति और कमला हैरिस उपराष्ट्रपति पद की शपथ लेने जा रही हैं। शपथ ग्रहण समारोह के लिए कई पूर्व राष्ट्रपति सहित बड़ी संख्या में मेहमान पहुंचे हैं। 6 जनवरी की हिंसा के बाद अमेरिकी राजधानी को हाई अलर्ट पर रखा गया है। यूएस कैपिटल में 25 हजार से अधिक सैनिकों को तैनात किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था अभूतपूर्व है। कैपिटल हिल के आसपास रास्तों पर बैरिकेड लगाए गए हैं और हर आने-जाने वाले की जांच पड़ताल की जा रही है।

ग्वालियर से प्रकाशित
दैनिक पुष्पांजली टुडे
राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप
को
सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है
ब्यूरो चीफ/रिपोर्टर
मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल
आदि राज्यों के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है
सम्पर्क करें
जी.एस. प्लाजा सूर्य मंदिर रोड गोले का मंदिर, ग्वालियर मध्यप्रदेश
फोनः 0751-4901403
मो. 7879637585, 8770253710
Website-www.pushpanjalitoday.com
Email.- pushpanjalitoday@gmail.com

तिब्बत है चीन की दुखती रग, छेड़ते ही चिल्लाया और युद्ध की दे डाली धमकी

कश्मीर और उत्तर-पूर्व की याद दिला बदले की भी चेतावनी

> लद्दाख सेक्टर में हाल ही में भारतीय सैनिकों से टकराव में बुरी तरह चोट खाने वाले चीन ने अपने मुखपत्र के जरिए यह भी कहा है कि भारत में चीन के खिलाफत की जंग जीतने की शक्ति नहीं है। इसके एक्सपर्ट अमेरिका के सुर में बोल रहे हैं। चीनी एक्सपर्ट ने कहा कि भारत को इस मुद्दे पर कई बार सोचना होगा कि यदि वह अमेरिका के साथ मिलकर चीन के लिए बाधाएं उत्पन्न करता है तो उसे क्या मिलेगा?

बीजिंग। तिब्बत पर जबरन कब्जा जमाकर यहां के निवासियों की आजादी और संसाधन छीन चुका चीन इसका नाम लेते ही बौखला उठता है। तिब्बत उसके लिए किस तरह दुखती रग है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कुछ भारतीय विशेषज्ञों की ओर से भारत सरकार को तिब्बत कार्ड खेलने का सुझाव देते ही चीन इतना बेचैन हो गया कि उसने युद्ध की धमकी तक दे डाली है। उसने कहा है कि यदि अमेरिका के साथ मिलकर भारत ने तिब्बत का मुद्दा उठाया तो दोनों देशों के बीच रिश्ता पूरी तरह खत्म हो जाएगा।

चीन सरकार और कम्युनिस्ट पार्टी के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने भारत को चेतावनी देते हुए कश्मीर मुद्दे का भी जिक्र किया और कहा कि वह एकतरफा यह नहीं कह सकता है कि यह भारत का इलाका है। शंघाई इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल स्टडीज के रिसर्च सेंटर फॉर चाइना-साउथ एशिया कोऑपरेशन के सेक्रेटरी जनरल लियु जोंगयी ने उत्तर-पूर्व में अलगाववाद की याद दिलाकर बदले का डर दिखाने की

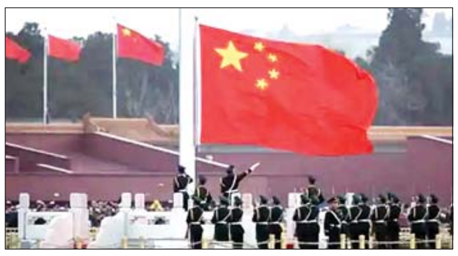

भी कोशिश की। ग्लोबल टाइम्स में छपे लेख में कहा गया है कि भारत में ब्रह्मा चेलानी जैसे कुछ भूराजनीतिज्ञों ने कहा है कि भारत सरकार को अमेरिका के साथ मिलकर तिब्बत कार्ड खेलना चाहिए। उन्होंने अमेरिका के तिब्बत कानून का लाभ उठाने की भी सलाह दी है। पूर्व भारतीय कूटनीतिज्ञ दीपक वोहरा ने यहां तक लिखा है कि यदि तिब्बत अपना अलग रास्ता चुनता है तो चीन के टुकड़े हो जाएंगे या फिर उसे साम्यवाद छोड़ना होगा और दुनिया अधिक सुरक्षित जगह हो जाएगी। भारतीय विशेषज्ञों की टिप्पणी से चिढ़े चीन के लेखक ने कहा, तिब्बत चीन का हिस्सा है और भारत सरकार लंबे समय से इसे मान्यता देती आई है। यदि नई दिल्ली इन विद्वानों की सलाह को मानता है, भारत-चीन के रिश्ते पूरी तरह खत्म हो जाएंगे और नई दिल्ली युद्ध को भड़काएगी। हालांकि, चीनी एक्सपर्ट ने यह भी स्वीकार किया कि भारत तिब्बत का साथ देता आया है। लियु ने कहा, वास्तव में बारत ने चीन के लिए मुश्किलें खड़ी करने और अपने फायदों के लिए तिब्बत कार्ड खेलना नहीं छोड़ा है। कथित निर्वासित तिब्बत सरकार भारत में ही चल रही है और तिब्बत का प्रश्न भारत-चीन रिश्तों में अहम मुद्दा है। चीनी एक्सपर्ट ने कहा कि कुछ लोग इसलिए तिब्बत कार्ड को जोरशोर से उठाने की बात कह रहे हैं क्योंकि वे कश्मीर को भारत के हिस्से के रूप में मान्यता देने के लिए चीन को मजबूर करना चाहते हैं। वे असल में नहीं जानते कि तिब्बत का सवाल दोनों देशों के बीच कितना संवेदनशील है और ये लोग आग से खेल रहे हैं।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

एक नजर....

श्री श्री 1008 श्री भैरारेश्वर धाम पर चल रही श्री मदभागवत कथा सुनाते हुए

उप संपादक संदीप प्रधान की रिपोर्ट

कथा वाचक सु श्री साध्वी राधिका शास्त्री के मुखारविंद से अमृतुल्य भागवत कथा सुनने हेतु उमड़े श्रद्धालु ,आज कथा में श्री कृष्ण से गोपियों के बिछुड़ जाने का प्रसंग चला जिसमे संगीत के साज वाज के साथ जब कथा वाचिका साध्वी राधिका शास्त्री जी ने करुण रस से भरा हुआ गोपियों ओर कृष्ण केबिछुड़ने से बिरह ओर वियोग से भरा गीत , तुम्हारी याद आती है ,बताओ क्या करें मोहन ।

चलूं तो वो न चलने दे,रुकू तो वो न रुकने दे-गाया तो लोग भाव विभोर हो गए ओर प्रभु श्री कृष्ण की यादों में माता बहिनो की आखों से अश्रुधारा बहने लगी । इस प्रकार मुख्य यजमान बचन लोधी जी ब्यबस्थापक विवेक लोधी प्रदेश प्रबक्ता भाजापा नेता सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे और सभी भक्तों से अपील की है सभी ने अनुरोध है अधिक से अधिक संख्या में पधार कर धर्म लाभ प्राप्त करें ।

एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किए जाने हेतु राष्ट्रीय संयुक्त अधिवक्ता मंच ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

ग्वालियर। राष्ट्रीय संयुक्त अधिवक्ता मंच की प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता रागिनी मिश्रा ने बुधवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय ग्वालियर में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नाम से एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। 16 जनवरी को नरसिंहपुर में सीनियर एडवोकेट महेंद्र जैन पर जानलेवा हमला आरोपियों द्वारा किया गया।जिससे अधिवक्ताओं में काफी आक्रोश व्याप्त है। एडवोकेट प्रोडक्शन एक्ट शीघ्र लागू किए जाने हेतु राष्ट्रीय संयुक्त अधिवक्ता मंच के प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ अधिवक्ता रागिनी मिश्रा, महामंत्री अधिवक्ता ममता केन, संभागीय उपाध्यक्ष अधिवक्ता माया गर्ग, प्रदेश उपाध्यक्ष अधिवक्ता अनामिका शर्मा, सचिव अधिवक्ता वंदना गुप्ता, अधिवक्ता शिल्पा डोगरा,अधिवक्ता प्रियंका गुप्ता, अधिवक्ता रेखा सिकरवार, अधिवक्ता आशा गुप्ता, अधिवक्ता रश्मि राठौर के अलावा कई महिला अधिवक्ताओं ने वकील पंचायत में घोषणा कर सन 2018 में कैबिनेट में मंजूरी दी गई थी उसे अतिशीघ्र लागू किए जाने की मांग की।

नाबालिक अपहृत बालिका के साथ दुष्कर्म का आरोपी भांडेर पुलिस की गिरफ्त में

भांडेर(अर्पित गुप्ता)। फरियादी शुबंसकुमार पुत्र रामप्रताप निरंजन साल निवासी ततारपुर के द्वारा अपनी लड़की को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने की रिपोर्ट पर से अपराध क्रमांक 06 /21 धारा 363 ताही का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया दौराने विवेचना अपहृता बालिका को दस्तयाब किया गया तथा प्राप्त साक्ष्य के आधार पर ज्ञात हुआ कि आरोपी शिवम अहिरबार पुत्र लखन लाल अहिरवार उम्र 20 साल निवासी राजा महादेव मोहल्ला पिछोर जिला दतिया का अपहृता को बहला-फुसलाकर दिनारा जिला शिवपुरी ले गया था तथा वहीं पर अपहृता के साथ मंदिर में शादी की एवं अपहृता के साथ दुष्कर्म किया जिसके आधार पर प्रकरण में धारा 376(3)ताहि 3/4 पोक्सो एक्ट की इजाफा की गई बाद श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय दतिया श्री अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन में श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय दतिया श्री कमल मौर्य के मार्गदर्शन में एवं श्रीमान एसडीओपी महोदय भांडेर श्री मोहित यादव के पर्यवेक्षण में भांडेर पुलिस द्वारा उक्त अपराध के आरोपी शिवम अहिरवार पुत्र लखन लाल अहिरवार निवासी पिछोर शिवपुरी को सेवड़ा चुंगी दतिया से विधिवत गिरफ्तार किया गया। संपूर्ण कार्यबाही में थाना प्रभारी विजय सिंह लोधी,साइबर प्रभारी नरेंद्र सिंह परिहार,उ नि आकाश संसिया,उनि रिचा दंडोतिया, सउनि रामशरण दोहरे, प्रधान आरक्षक संजीव गौर,आरक्षक मनोज तोमर,आरक्षक अंकित शर्मा,आरक्षक छोटे खांडेल, महिला आरक्षक झल्लू तोमर, महिला आरक्षक रोशनी धोटे की अहम भूमिका रही।

विश्वास, निरंतरता और उत्साह से करें तैयारी: परीक्षित भारती

एमपीपीएससी निःशुल्क आफ लाइन कोचिंग का हुआ शुभारंभ

रवीना शर्मा

श्योपुर। एमपीपीएससी आफ लाइन निशुल्क कोचिंग का शुभारंभ करते हुए पैरालीगल वालंटियर, डायरेक्टर एवं समन्वयक निशुल्क कोचिंग एवं मुख्य अतिथि परीक्षित भारती ने कहा है कि सभी छात्र छात्राएं गुरु और किताब तथा खुद पर विश्वास करने के साथ अध्ययन में निरंतरता बनाए रखते हुए उत्साह के साथ मेहनत करे, आपके सिविल सेवक बनने का सपना निश्चित साकार होगा। सहायक समन्वयक एवं सहायक प्राध्यापक एवं विशेष अतिथि खेमराज आर्य ने कहा कि अनुशासन के साथ कठिन परिश्रम करते रहे तो सफलता निश्चित मिलेगी। उन्होंने कहा कि नियमित टेस्ट श्रृंखला भी शुरू की जाएगी। इसका लाभ भी मेहनती

छात्र छात्राएं जरूर उठाए। विशेष अतिथि एवं राजनीति विशेषज्ञ राजू सिंह कुशवाह ने कहा कि मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सफलता चाहिए तो मध्यप्रदेश सामान्य अध्ययन पर विशेष बल देना होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के साथ साथ आपको भी बराबर की भागीदारी करनी होगी। जिसमें निश्चित सफलता मिल सके। कार्यक्रम का संचालन किरण बैरवा ने किया और सभी छात्र छात्राओं को भारत सरकार और मध्यप्रदेश सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय एवं आईसीएमआर द्वारा कोविड के बचाव के लिए जारी गाइडलाइंस के बारे बताया और सभी को समझाइश दी गई है कि गाइडलाइंस का पालन अनिवार्यतः करें, अन्यथा निःशुल्क कोचिंग में पढने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

नगर परिषद द्वारा कठपुतली स्वच्छता नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया

लहार(अर्पित गुप्ता)। नगर पालिका परिषद लहार द्वारा 19 जनवरी को स्वच्छता के संबंध में आम नगर वासियों को जागरूक करने के लिए नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया लहार एसडीएम एवं नगर परिषद लहार के प्रशासक श्री ए आर प्रजापति एवं लहार नगर परिषद सीएमओ श्री महेश पुरोहित के निर्देशानुसार एवं स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए लहार नगर निकाय के वार्डो जैसे पुरानी सब्जी मंडी,रामलीला मैदान,कारस देव गली,बीजासन रोड,बघेल मोहल्ला, आदि में कठपुतली स्वच्छता नुक्कड़ नाटक का आयोजन कराया गया जिसमें कठपुतलियों द्वारा स्वच्छता रखने का संदेश दिया गया,वार्डो की महिलाओं को एकत्रित कर उन्हें

अपने घरों में बने शौचालयों की सफाई एवं सेप्टिक टैंक को हर 3 साल में खाली करवाना आदि पर जागरूक किया गया साथ ही उन्हें कचड़ा डालने के संबंध में चार प्रकार से कचरा अलग अलग करने की सलाह दी गई गीला कचरा, सूखा कचरा,जैविक अपशिष्ट कचरा एवं हानिकारक कचरा इन सभी चार प्रकार के कचड़ों को अलग अलग कर कचरा संग्रहण गाडी में डालने के लिए प्रेरित किया गया एवं सभी से निवेदन किया गया कि कोई भी बाहर खुले स्थान जैसे नालियों में या खाली प्लॉटों में अपना कचरा ना डालें नगर के रहवासी और व्यवसायिक बंधु कचरा अलग अलग कर कचरा गाड़ी में ही डालें नालियों में कचरा ना डालें सभी रहवासी एवं व्यवसायिक बंधु कचरा अलग अलग कचरा गाड़ी में ही डालें और लहार नगर को स्वच्छता प्रदान करें।

खेतों में लगाए जाने वाले तार से कट रहे गायों के पैर

लहार(अर्पित गुप्ता)

नगर के बाईपास रोड पर नंदे के ताल के पास खेत की बाउंड्री में लगे आरी पत्ती वाले तार की चपेट में आकर एक गाय का पैर कट गया गाय घायल अवस्था में तड़प रही थी गहरा जख्म था खून बह रहा था वहां से गुजर रहे कुलदीप राजावत की नजर उस घायल गाय पर पड़ी तो उन्होंने गौरक्षा संगठन प्रमुख संतोष चौहान को सूचना दी संतोष चौहान तत्काल डॉ को लेकर पहुंचे और कुलदीप राजावत गोलू महाते के सहयोग से घायल गाय का प्राथमिक उपचार करवाया संतोष चौहान ने प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि खेत की बाउंड्री फेंसिंग में आरी पत्ती वाले तार लगाने वाले लोगों पर दंडात्मक कार्यवाही होना चाहिए आरी पत्ती वाले तारों से बड़ी संख्या में प्रतिदिन गाय जख्मी हो रही हैं गायों के घायल होकर मरने से बचाने के लिए प्रशासन को शीघ्र से शीघ्र आरी पत्ती तार फेंसिंग पर प्रतिबंध लगाना चाहिए एवं जो किसान अपने खेतों में हरी पत्तेदार की फेंसिंग किए हुए हैं उन पर दंडात्मक कार्रवाई करना चाहिए।।

केन्द्रीय इस्पात मंत्री-श्री धर्मेन्द्र प्रधान, केन्द्रीय कृषि मंत्री-श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, राज्यसभा सदस्य एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री-श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं ग्वालियर सांसद-श्री विवेक नारायण शेजवलकर को एमपीसीसीआई ने लिखे पत्र

ग्वालियर। म.प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री (एमपीसीसीआई) द्वारा स्टील अर्थॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड (सेल) के ग्वालियर स्थित यार्ड को ग्वालियर से हटाकर कानपुर भेजे जाने के विरोध में आज पुनः केन्द्रीय इस्पात मंत्री-श्री धर्मेन्द्र प्रधान, केन्द्रीय कृषि मंत्री-श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, राज्यसभा सदस्य एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री-श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं ग्वालियर सांसद-श्री विवेक नारायण शेजवलकर को पत्र प्रेषित किये गये हैं। एमपीसीसीआई अध्यक्ष-विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल, उपाध्यक्ष-पारस जैन, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल एवं कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अवगत कराया गया है कि सेल के ग्वालियर स्थित यार्ड को कानुपर शिफ्ट करने के निर्णय से ग्वालियर अंचल के कारोबारी एवं उद्योगपति परेशान हैं क्योंकि सेल के ग्वालियर स्थित यार्ड से ग्वालियर अंचल की फैक्टरियों एवं कारोबारियों को प्रतिमाह लगभग 2000 टन स्टील की आपूर्ति की जाती है।यदि यार्ड बंद हुआ तो स्टील कारोबार पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। एमपीसीसीआई को व्यापारियों द्वारा बताया गया है कि ग्वालियर स्थित सेल के यार्ड से लगातार सामान जा रहा है, कच्चा मटेरियल उठवाने के लिए ठेकेदार का कॉन्ट्रेक्ट बढाया गया है।ग्वालियर में स्टील यार्ड की खुद की जगह होने के कारण किराया नहीं देना पड़ता है, वहीं यदि यार्ड पर माल आसपास के क्षेत्र के उद्यमियों की आवश्यकता के अनुसार मंगवाया जाए तो यह एक बेहतर यार्ड में शामिल हो सकता है। इस संबंध में माननीय केन्द्रीय मंत्री-श्री नरेन्द्र सिंह जी तोमर द्वारा इसे ग्वालियर में ही रखे जाने की घोषणा की जा चुकी है।इस हेतु राज्यसभा सदस्य श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी ने भी पत्र लिखकर इसे ग्वालियर में रखे जाने का आग्रह केन्द्रीय इस्पात मंत्री से किया गया है। एमपीसीसीआई ने पत्र के माध्यम से मांग की है कि ग्वालियर स्थित सेल के यार्ड को ग्वालियर में ही रखे जाने हेतु यथाशीघ्र आदेश पारित किया जाए, ताकि ग्वालियर अंचल के उद्योगपतियों एवं कारोबारियों को होने वाली परेशानी दूर हो सके।

26 जनवरी से क्रिकेट टूर्नामेंट होगा शुरू

लहार(अर्पित गुप्ता)। लहार अनुभाग के देवरी कला गाँव मे श्री बन खंडेश्वर क्रिकेट टूर्नामेंट देवरी कला द्वारा सीजन 2021क्रिकेट टूर्नामेंट कराया जा रहा है, प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्रामीण स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट देवरी कला क्रिकेट क्लब द्वारा ग्राम देवरी में करवाया जा रहा है, जिसमें मुख्य अतिथि अमित प्रताप सिंह व केशव सिंह दद्दू होंगे कमेटी के सदस्यों में आयोजक दीपक दुबे रवि दुबे अध्यक्ष आनंद दुबे उपाध्यक्ष संजय बौहरे,कोषाध्यक्ष सोनू दुबे व सचिव कृष्ण दत्त पाराशर होंगे,कमेटी के अन्य सदस्यों में राधा मोहन दुबे,रोहित दुबे,शिवम दुबे,मनीष दुबे,राजदीप सिंह,रोहित सिंह,गोलू राजा, सोनू पाल, बंटी झा, महेश जाटव, राघवेंद्र सिंह,राहुल कटियार,गौरव कटियार,कमलेश अहिरवार आदि होंगे।

राम मंदिर निर्माण समर्पण के लिए जिला उपाध्यक्ष ने दिए 21 हजार

आलमपुर(अर्पित गुप्ता)। अयोध्या में राम मन्दिर निर्माण समर्पण के चलते भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व मण्डल अध्यक्ष नवलकिशोर मिश्रा(जिला उपाध्यक्ष भाजपा)ने राम मंदिर निर्माण के लिए सहयोग करते हुए 21 हजार रुपये का सहयोग किया है।इस दौरान उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से भी राम मंदिर निर्माण में इच्छानुसार राशि दान करने के लिये भी अपील की है।

गरुड़ा मॉल में आयोजित हुआ रक्तदान शिविर

नारायणलाल सैणचा

मैसूरू। शहर के गरुड़ा मॉल परिसर में डेकथलोन स्पोर्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड व सैंट फिलोमिनास कॉलेज व यूथ रेड क्रॉस सोसायटी के तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ, जिसमे 24 यूनिट्स रक्त संग्रहण हुआ, जिसे जीवधारा ब्लड बैंक में जमा करवाया। जिसमे मुख्य अतिथि डॉ. बेनार्ड प्रकाश बर्लिस, डॉ. टी.शांताकुमारी प्रिंसिपल सैंट फिलोमिना कॉलेज, महादेवाप्पा सचिव रेड क्रॉस सोसायटी, दिवाकर. आर. इंस्पेक्टर देवराज पुलिस स्टेशन , गिरीश, मुथाना, तेरापंथ युवक परिषद के आनन्द मांडोत, रक्तदान महादान गौभक्त संगठन ट्रस्ट के अध्यक्ष देवेन्द्र परिहारिया, संरक्षक पृथ्वीसिंह चांदावत, डेकथलोन स्टोर मेनेजर राकेश सहित अन्य उपस्थित रहे।

बिधुत बिभाग के डिवीजन इंचार्ज का अनोखा कारनामा

लहारअर्पित गुप्ता। लहार बिधुत बिभाग के डिवीजन इंचार्ज जो हरदम बिबादों में घिरे रहते है और एक बार फिर उन्होंने अपने कारनामे से सबको सख्ते में डाल दिया है श्री मान जी द्वारा अपने एक चहेते कर्मचारी की सेह पर ऐसे मीटर रीडर जो महोदय की सेवा में हाजिरी नही भरते थे उन्हें आज उनकी गुस्सा का भागी बनना पड़ा और डिवीजन में इधर उधर भेज दिया गया और जबकि पहले से डंटे रोबदार मलाई खाने बाले कर्मचारियों को अपने पास रखते हुए जबकि बो जब से पदस्थ हुए तब से लहार डंटे हुए है पर एक नेता जी के दबाब के कारण अधिकारी महोदय उनको टच भी नही कर सके और कुछ ऐसे कर्मचारी जो सहाब के चमचे कहे जाते है उन्हें भी यथावत रखते हुए सीधे साधे कर्मचारियों को इधर उधर परेशान करने के लिए भेज दिया गया ।

यह है नियम-बिधुत बिभाग के नियमानुसार मीटर रीडरों को नगर में या क्षेत्र में अलग अलग जगहों पर ही स्थानांतरित किया जा सकता है पर यहां तो अधिकारी महोदय अपने चमचों के कहे अनुसार किसी को भी सभी नियमों को सिथिल करते हुए कभी भी कुछ भी करने के लिए तैयार रहते है

पुष्पांजली जनकल्याण फाउंडेशन

में **मेघा जैन अग्रवाल** इंदौर मप्र को महिला अध्यक्ष मप्र बनाया गया है। आशा है कि आप संस्था के नियमो का पालन करेंगी व संस्था के प्रति निस्वार्थ भाव से समाजसेवा करेंगी और संगठन को अगर बढ़ाने में मदद करेंगी।

VISION 2030

ग्वालियर शहर में पहली बार हर सेवा और वस्तु बहुत ही सस्ती

जियो रीचार्ज एक माह 199 वाला केवल 180 में।
आइडिया और एयरटेल का रीचार्ज केवल 225/- में 249 वाला।
किराना का सामान सबसे सस्ता।
HOME TUITION का डेमो फ्री वो भी 15 दिन।
केक केवल 180/- में फ्री HOME DELIVERY के साथ।
टिफिन सेंटर खाना बिल्कुल घर जैसा।

ऐसे ही 5 लाख प्रोडक्ट्स और 50 से ज्यादा सेवाएँ बस एक कॉल या वॉट्सएप्प, हर सेवा आपके पास।

Only WHATSAPP 9425823988
call-9691937250/- 9516003221

एक नजर...

पहले नाबालिग का किया रेप, उसके बाद पीड़िता के चेहरे और पेट को पत्थरों पर पटका

सारनी। मध्य प्रदेश के सारनी के पास जांगड़ा गांव में 13 साल की बच्ची के साथ रूह कंपा देने वाली हैवानियत सामने आई है। जहां एक मुंहबोले चाचा ने मदद के नाम पर बच्ची को बुलाया और उस बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। जानकारी के अनुसार, घटना सोमवार रात की है, जहां पड़ोस के खेत मालिक सुशील वर्मा (45) ने मोटर बंद करने आई बच्ची को पाइप लगाने के बहाने बुलाया और उस बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद उसने बच्ची के साथ भीषण दरिंदगी को अंजाम देते हुए उसके चेहरे और पेट पर पत्थर पटके। जब उसको लगा कि बच्ची मर गयी तो वह उसे बड़े पत्थरों से दबाकर बेफिक्र अपने घर चला गया। वहीं, जब काफी देर तक जब बच्ची घर नहीं लौटी तो उसकी दो बहनें और पिता खेत पहुंचे। बच्ची को आवाज लगाने पर उसके कराहने की आवाज आई। रात के अंधेरे में आवाज की दिशा में आगे बढ़कर टॉर्च की रोशनी में देखा तो बच्ची पत्थरों में दबी थी। वे उसे निकालकर घोड़ाडोंगरी अस्पताल पहुंचे जिसके बाद मंगलवार सुबह बच्ची को नागपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया। डॉक्टरों ने बताया है कि पत्थरों की चोट की वजह से बच्ची का जबड़ा और दांत टूट गए हैं, साथ ही मस्तिष्क में खून का थक्का जमा है। बच्ची के पेट में जमे हुए खून को इंजेक्शन से निकाला जा रहा है और गले में नाखून के निशान हैं। नाबालिग के गाल और कान में टांकें लगाए गए हैं। खून की उल्टियां होने के कारण बच्ची की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस मामले में पुलिस ने सुशील को गिरफ्तार कर लिया है। पिता ने बताया कि, बच्ची भोपाल के एक निजी स्कूल की नौवीं की छात्रा है और जांगड़ा से दो किमी दूर के गांव छूरी स्थित स्कूल में पढ़ाई कर रही है।

5 दोस्तों ने किया गैंगरेप, फिर पीड़िता को बोरे में भरकर रेलवे ट्रैक के किनारे फेंका

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के बाणगंगा थाना क्षेत्र में सामूहिक दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसमें एक युवती ने पांच युवकों पर गैंगरेप का आरोप लगाया है। युवती का आरोप है कि, आरोपियों ने उसे चाकू मारने की कोशिश की और बोरे में भरकर पटरी किनारे फेंककर चले गए। वहीं, अब तक इस मामले में कोई एफआईआर नहीं की गई है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है। आईजी हरिनारायण चारी मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि, पीड़िता ने पूछताछ में बताया कि घटना भागरीथपुरा इलाके में स्थित रेलवे ट्रैक के पास की है। वह पाटनीपुरा क्षेत्र में कोचिंग पढ़ने जाती है। उसने कहा कि, वह मंगलवार शाम को कोचिंग से लौट रही थी तभी उसे अक्षय नामक दोस्त मिला। उसके साथ एक युवक और था। युवती का आरोप है कि दोनों ने बातों-बातों में उसे कुछ सुंघाया और बाइक पर बैठाकर भागीरथपुरा रेलवे ट्रैक के पास ले गए। रेलवे ट्रैक पर पहले से तीन लोग मौजूद थे, जो उनका इंतजार कर रहे थे। सभी ने मिलकर युवती के साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की। विरोध करने पर युवकों ने पीड़िता पर हमला कर दिया और बारी-बारी से रेप किया। युवती का आरोप है कि, दुष्कर्म करने के बाद उन्होंने चाकू से हमला किया और बोरे में बंद कर उसे आग के हवाले करने की भी कोशिश की। इसके बाद वह उसे वैसी ही हालत में छोड़कर चले गए। युवती ने बताया कि आरोपियों के जाने के बाद वह जुगत लगाकर बोरे से बाहर आई और अपने दोस्त को कॉल किया। मौके पर पहुंचे दोस्त ने उसे अस्पताल पहुंचाया और बताया कि वह उसका मंगेतर है। जल्दी ही दोनों की शादी होने वाली है। साथ ही पुलिस का इस सन्दर्भ में कहना है कि, युवती के बयान और युवक के बताए अनुसार पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है।

दलित की हत्या किए जाने के एक दशक पुराने मामले में 9 को उम्रकैद

इंदौर। सामाजिक भेदभाव के चलते अनुसूचित जाति वर्ग के 30 वर्षीय व्यक्ति की हत्या के लगभग एक दशक पुराने मामले में जिला अदालत ने मंगलवार को नौ लोगों को उम्रकैद की सजा सुनायी। अभियोजन विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक हत्याकांड के शिकार दलित व्यक्ति से मुजरिम इसलिए नाराज थे क्योंकि उसने उनकी इच्छा के विरुद्ध जिले के एक गांव में चाय की गुमटी रख दी थी। विशेष न्यायाधीश रेणुका कंचन ने इस मामले में नौ लोगों को भारतीय दंड विधान की धारा 302 (हत्या) और अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के संबद्ध प्रावधानों के तहत दोषी करार दिया। अभियोजन ने अदालत के सामने करीब 35 गवाह पेश किए थे। विशेष लोक अभियोजक विशाल आनंद श्रीवास्तव ने बताया कि सभी नौ लोगों पर खुड़ैल क्षेत्र के असरावदा फाटा गांव में 12 नवंबर 2010 की रात लाखन लुहाने (30) की धारदार हथियारों से हत्या का जुर्म साबित हुआ। उन्होंने बताया कि लुहाने अनुसूचित जाति वर्ग से ताल्लुक रखते थे और उन्होंने गांव में चाय की दुकान चलाने के लिए लकड़ी की गुमटी रखी थी। विशेष लोक अभियोजक ने कहा, मामले में दोषी करार दिए गए लोग लुहाने के गांव से सटे असरावद बुजुर्ग के ताकतवर तबके से ताल्लुक रखते हैं। वे लुहाने द्वारा चाय की गुमटी रखे जाने से नाराज थे। जातिगत भेदभाव के चलते हुए विवाद में अनुसूचित जाति वर्ग के इस व्यक्ति की हत्या कर दी गई थी।

तीन जिलों के कुकुट फार्म सहित 32 जिलों के नमूनों में बर्ड फ्लू की पुष्टि

भोपाल। मध्य प्रदेश के तीन जिलों के कुक्कुट फार्म के पक्षियों सहित 32 जिलों में कौओं एवं जंगली पक्षियों के नमूनों में मंगलवार तक बर्ड फ्लू का संक्रमण पाया गया है। प्रदेश में 26 दिसंबर से अब तक करीब 3890 कौओं एवं जंगली पक्षियों की मौत हुई है। मध्य प्रदेश जनसंपर्क विभाग से मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश के पशुपालन मंत्री प्रेम सिंह पटेल ने बर्ड फ्लू से अप्रभावित जिलों को सावधानी और सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।
उन्होंने कहा, प्रदेश में कौओं की मृत्यु से आरंभ हुआ बर्ड फ्लू राज्य के तीन जिलों के कुक्कुट फार्म सहित 32 जिलों में पहुंच चुका है। पटेल ने बताया कि झाबुआ, हरदा और मंदसौर में कुक्कुट फार्म में वायरस मिलने से मुर्गे-मुर्गियों को मार कर दफनाने की और भारत शासन द्वारा जारी परामर्श के अनुसार कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि इन तीन जिलों के अलावा 29 अन्य जिलों-इंदौर, आगर मालवा, नीमच, देवास, उज्जैन, खण्डवा, खरगोन, गुना, शिवपुरी, राजगढ़,

शाजापुर, विदिशा, दतिया, अशोकनगर, बड़वानी, भोपाल, होशंगाबाद, बुरहानपुर, छिन्दवाड़ा, डिण्डोरी, मण्डला, सागर, धार, सतना, पन्ना, बालाघाट, श्योपुर, छतरपुर और रायसेन में कौओं एवं जंगली पक्षियों में बर्ड फ्लू पाया गया है। पटेल ने अप्रभावित जिलों के कुक्कुट फार्म व्यवसाइयों से अपील की है कि वे पूर्ण सतर्कता बरतें। पक्षियों अथवा मुर्गियों में अप्राकृतिक मृत्यु की सूचना मिलते ही तत्काल अपने जिले के नियंत्रण-कक्ष को सूचित करें। उन्होंने पशुपालन विभाग के अधिकारियों को एवियन इन्फ्लूएंजा के बचाव और रोकथाम नियंत्रण का भरपूर प्रचार-प्रसार करने के निर्देश देते हुए कहा कि जलाशयों एवं अभयारण्यों पर भी निगरानी रखें। आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिये आवश्यक पीपीई किट्स, उपकरण, दवाइयों का स्टॉक आदि तैयारियाँ चाक-चौबंद रखें। पटेल ने बताया कि प्रदेश में अब तक 3,890 कौओं और जंगली पक्षियों की मृत्यु की सूचना प्राप्त हो चुकी है। विभिन्न जिलों से 453 नमूने राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग अनुसंधान प्रयोगशाला, भोपाल को जाँच के लिए भेजे जा चुके हैं।

मंत्री के खिलाफ अवैध खनन की शिकायत करना पड़ा महंगा, डिप्टी रेंजर का तबादला

महू। मध्य प्रदेश की संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री उषा ठाकुर के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए हाल ही में पुलिस को लिखित शिकायत करने वाले वन विभाग ने डिप्टी रेंजर राम सुरेश दुबे का तबादला कर दिया गया है। इंदौर वन मंडलाधिकारी (डीएफओ) डॉ किरण बिसेन ने सोमवार को डिप्टी रेंजर राम सुरेश दुबे का तबादला बड़गोंदा से मानपुर उप रेंज कर दिया है।
दुबे ने हाल ही में पुलिस को लिखित शिकायत दी थी। उन्होंने मंत्री उषा ठाकुर के खिलाफ अवैध खुदाई के मामले में जब्त अर्थ मूविंग मशीन और ट्रैक्टर ट्रॉली वन विभाग के परिसर से जबरन छुड़ाकर ले जाने का आरोप लगाते हुए मंत्री के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए पुलिस से अनुरोध किया था। संपर्क किए जाने पर बिसेन ने इस मुद्दे पर टिप्पणी करने से मना कर दिया। हालांकि, दुबे ने कहा कि उनका स्थानांतरण उन्हें लोकसेवक के रूप में ड्यूटी करते समय गलत काम के खिलाफ लड़ने से नहीं रोकेगा। उन्होंने कहा, चाहे मेरी नौकरी ही क्यों न चली जाए, मैं सच के लिए लड़ना

जारी रखूंगा। मैं अपनी बात से पीछे नहीं हटूंगा। दुबे के तबादले के बाद मध्यप्रदेश कांग्रेस के मीडिया समन्वयक नरेंद्र सलूजा ने शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली सरकार पर हमला करते हुए कहा कि मंत्री के खिलाफ कार्रवाई के बजाय सरकार ने एक ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी का तबादला कर डाला। इससे शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता। सलूजा ने कहा, मंत्री के खिलाफ मामला दर्ज होना चाहिए था। लेकिन नहीं किया गया। प्रदेश के वन मंत्री विजय शाह ने इस मामले में जांच दल बनाने की घोषणा की थी और जल्दबाजी में मंत्री को क्लीन चिट दे दी थी। इससे सरकार की अवैध उत्खनन को लेकर नीति व नीयत स्पष्ट हो गई है। वहीं, प्रदेश भाजपा सचिव व प्रवक्ता रजनीश अग्रवाल ने कहा, यह पूरी तरह से प्रशासनिक फैसला है और संबंधित अधिकारी इसका जवाब दे सकते हैं। वन विभाग के परिक्षेत्र सहायक राम सुरेश दुबे ने पिछले हफ्ते कहा था,बड़गोंदा के जंगल में कुछ लोगों द्वारा अवैध खुदाई किए जाने और बिना स्वीकृति मार्ग बनाए जाने पर 10 जनवरी को एक अर्थ मूविंग मशीन और ट्रैक्टर ट्रॉली को जब्त किया गया था। इन वाहनों को बड़गोंदा में वन विभाग के परिसर में रखा गया था। उन्होंने आरोप लगाया था,राज्य की संस्कृति मंत्री उषा ठाकुर 11 जनवरी की शाम 6:30 बजे के आस-पास अपने करीब 20 कार्यकर्ताओं के साथ बड़गोंदा स्थित परिसर में आईं। मंत्री के साथ आए लोगों ने वन विभाग के कर्मचारियों को डराया-धमकाया और जब्त अर्थ मूविंग मशीन व ट्रैक्टर ट्रॉली जबरन छुड़ा कर ले गए। बड़गोंदा उस महू सीट का हिस्सा है जिसकी ठाकुर विधानसभा में नुमाइंदगी करती हैं। मंत्री उषा ठाकुर ने सभी आरोपों से इनकार किया था।

कोरोना की 97 प्रतिशत रिकवरी पर सीएम योगी संतुष्ट, बोले

सावधानी अब भी जरूरी, थोड़ी सी लापरवाही पड़ सकती है भारी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में कोविड-19 की 97 प्रतिशत से अधिक की रिकवरी दर पर संतोष व्यक्त करते हुए बचाव व उपचार की व्यवस्थाओं को पूरी तरह चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि कोरोना के सम्बन्ध में प्रत्येक स्तर पर पूर्ण सावधानी बरती जाए, इस सम्बन्ध में थोड़ी लापरवाही भी भारी पड़ सकती है। मुख्यमंत्री बुधवार को यहां अपने सरकारी आवास पर बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में कोरोना वैक्सीनेशन अभियान प्रगति पर है। अभियान के आगामी चरण के लिए फ्रंटलाइन वर्कर्स का डाटा बेस तेजी से तैयार किए जाने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि वैक्सीनेशन अभियान की प्रत्येक कार्यवाही भारत सरकार द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देश एवं मानकों के अनुरूप की जाए। मुख्यमंत्री ने कोविड-19 के उपचार की प्रभावी व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी कोविड अस्पतालों में आवश्यक दवाओं, बैकअप सहित ऑक्सीजन तथा मेडिकल उपकरणों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने में टेस्टिंग के महत्वपूर्ण योगदान को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में टेस्टिंग कार्य पूरी क्षमता से किया जाए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग तथा सर्विलांस सिस्टम प्रभावी ढंग से संचालित रहे।

एकेटीयू देगा तीन हजार छात्रों को नौकरी का अवसर, दस दिनों में हुआ 175 छात्रों का प्लेसमेंट

लखनऊ। छात्रों को रोजगार की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए एक और विश्वविद्यालय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन कर रहें हैं तो वहीं दूसरी ओर सरकारी विभागों के साथ जुड़कर इंटर्नशिप करने का सुनहरा अवसर भी छात्रों को दिया जा रहा है। इस दिशा में एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) तेजी से कार्य कर रहा है। एकेटीयू के छात्र अब सरकारी विभागों में इंटर्नशिप कर सकेंगे। एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के छात्र अब उत्तर प्रदेश सरकार के सरकारी विभागों के साथ जुड़कर काम कर सकेंगे। चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग के अधीनस्थ विभागों में छात्रों को इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत जुड़ने का अवसर मिला है। सीएम के मिशन रोजगार मुहिम को बढ़ावा देते हुए विश्वविद्यालय की ओर से ये फैसला लिया गया है। विभाग ने छात्रों के लिए एक से छह माह तक के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम की शुरूआत की है।

गोरखपुर में फिल्मी अंदाज में लूट

पुलिस की वर्दी में रोडवेज बस में चढ़े बदमाश, पूछताछ के बहाने दो सर्राफा व्यवसायियों से 18 लाख लूटे

गोरखपुर। गोरखपुर में वर्दीधारी लुटेरों ने एक रोडवेज बस में जा रहे रहे दो सर्राफा व्यवसायियों से 18 लाख रुपए लूट लिए। गोरखपुर से लखनऊ जा रही रोडवेज की इस बस में वर्दीधारी लुटेरे चढ़े और पूछताछ के बहाने सर्राफा व्यवसायियों को नीचे उतार लिया। इसके बाद उन्हें ऑटो से कुछ दूर ले जाकर लूट को अंजाम दिया। मिली जानकारी के अनुसार लूट के शिकार सर्राफा व्यवसायियों में महराजगंज के निचलौल के दीपक वर्मा और रामू वर्मा शामिल हैं। दीपक वर्मा के पिता का नाम राजनरायन वर्मा और रामू के पिता का नाम दयाशंकर है। दोनों व्यवसायी निचलौल से रोडवेज बस से पहले गोरखपुर आए। फिर लखनऊ जाने के लिए यहां से जनरथ बस में सवार हुए। इसी दौरान पुलिस की वर्दी में चढ़े दो लुटेरों ने उनसे पूछताछ शुरू कर दी। पूछताछ के बहाने उन्होंने दोनों सर्राफा व्यवसायियों को नीचे उतार लिया। वहां से ऑटो में बिठाकर सहजनवां क्षेत्र में गीडा थाना क्षेत्र के एकडंगा गांव के पास ले गए। दोनों व्यवसायियों के मुताबिक गांव के पास पहुंचते ही दोनों ने उन्हें पीटना शुरू कर दिया। इसके साथ ही उनके पास मौजूद 18 लाख रुपए लूट लिए। इसमें दीपक वर्मा के 10 लाख और रामू वर्मा के आठ लाख रुपए शामिल हैं। वर्दीधारी लुटेरों के फरार हो जाने के बाद सर्राफा व्यवसासियों की सूचना पर असली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस मामले की तफ्तीश और वर्दी पहनकर लूट को अंजाम देने वाले बदमाशों की तलाश में जुट गई है।

सिख धर्म हमें त्याग और सेवाभाव का संदेश देता है:योगी

लखनऊ। सिखों के दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व में शामिल होने जब मुख्यमंत्री बुधवार को यहियागंज गुरुद्वारे पहुंचे तो पूरा हॉल जो बोले सो निहाल, सतश्री अकाल से गूंज उठा। गुरु के दीवान के समक्ष माथा टेकने के बाद मुख्यमंत्री ने गुरु गोविंद सिंह द्वारा समाज को एक सूत्र में बांधने के प्रयास की सराहना की। दरबार हॉल में बैठकर उन्होंने गुरु को समर्पित शबद भी सुने। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सिख धर्म हमें त्याग और सेवा भाव का संदेश देता है। हम अपने जीवन में इसे आत्मसात कैसे करे यह ध्यान देना है। नई पीढ़ी को उनके विचारों से प्रेरित करने का प्रयास करना चाहिए।

सीएम योगी के एक फैसले से रूक गए कई भ्रष्टाचार

जेम पोर्टल से ही सरकारी विभाग कर सकते हैं खरीदारी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक फैसले ने विभागीय खरीदारी में हर साल सैकड़ों करोड़ के भ्रष्टाचार पर रोक लगा दी है। प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद सीएम योगी ने जेम पोर्टल लागू करने की व्यवस्था के आदेश अगस्त 2017 में ही दे दिए थे। इस बाबत एक शासनादेश जारी हुआ था, जिसमें कहा गया था कि शासकीय विभागों और उनके अधीनस्थ संस्थाओं में खरीदारी के लिए जेम (त्द्गरू) की व्यवस्था अनिवार्य की गई है, जो उत्पाद या सेवाएं जेम पोर्टल पर उपलब्ध हैं, उनकी खरीदारी अनिवार्य रूप से जेम पोर्टल से ही की जाएगी। इसका नतीजा यह हुआ कि विभिन्न विभागों ने प्रदेश में जेम पोर्टल के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2017-18 में 602 करोड़, वित्तीय वर्ष 2018-19 में 1674 करोड़ और वित्तीय वर्ष 2019-20 में 2401 करोड़ रुपए की खरीदारी की, जो लगातार बढ़ते हुए वर्तमान वित्तीय वर्ष 2020-21 में माह दिसंबर तक कुल 25 सौ करोड़ की खरीदारी की गई है। इस प्रकार पौने चार साल में करीब 7177 करोड़ रुपए से ज्यादा की खरीदारी जेम पोर्टल से विभागों ने की है।
इस बारे में एमएसएमई के अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल कहते हैं कि मुख्यमंत्री की भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति स्पष्ट है। सरकार भ्रष्टाचार को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए कटिबद्ध है। जेम पोर्टल उसी प्रयास का एक सार्थक परिणाम है, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर सराहा जा रहा है। आईआईए के चेयरमैन पंकज गुप्ता कहते हैं कि

जेम पोर्टल सरकार और उद्यमियों के लिए बहुत फायदेमंद प्लेटफॉर्म है। सरकारी विभागीय खरीद में पारदर्शिता लाने और भ्रष्टाचार रोकने में यह राष्ट्रीय स्तर पर दूसरे प्रदेशों के लिए भी अनुकरणीय है। इसके यूपी में लागू होने से निस्संदेह पिछली सरकारों से चले आ रहे सैकड़ों करोड़ के भ्रष्टाचार पर रोक लगी है। सरकार का उद्देश्य था कि बिना किसी भ्रष्टाचार के एमएसएमई को सही रेट मिले। सही लोग पार्टिशिपेट कर सकें। विभागीय टेंडर की प्रक्रिया में बहुत समय बेकार होता था और उद्यियों का पैसा भी बहुत खर्च होता था, जिससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता था।
देश में सबसे अधिक खरीद करने वाला पहला राज्य बना यूपी-केंद्र सरकार ने प्रदेश को 2018 में बेस्ट बायर अवार्ड और 2019 में सुपर बायर अवार्ड से सम्मानित किया है। इस समय प्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर जेम पोर्टल के माध्यम से सर्वाधिक खरीदारी करने वाला पहला राज्य है। इस साल दिसंबर तक 71814 विक्रेता भी जेम पर पंजीकृत हैं, जिसमें से 26029 एमएसएमई ईकाईयां हैं।
मैनपावर आउटसोर्सिंग, टैक्सी, सफाई आदि सेवाएं **भी जेम पोर्टल पर**-जेम पोर्टल से खरीदारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पोर्टल के माध्यम से विभागों के लिए खरीदारी को गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और मित्तव्यीय बनाया गया है। प्रदेश के कुछ विभागों की ओर से जेम पोर्टल पर उपलब्ध सेवाओं का क्रय ई टेंडर से भी किया जा रहा है। कई विभागों की ओर से उत्पादों के साथ मैनपावर आउटसोर्सिंग, टैक्सी, सफाई आदि सेवाएं भी जेम पोर्टल से ली जा रही हैं। पोर्टल पर आपूर्तिकर्ताओं, विक्रेताओं के साथ विविध वस्तुओं और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला है।
क्या है जेम पोर्टल-जेम पोर्टल एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जहां पर 70 हजार से ज्यादा विक्रेता पंजीकृत हैं। इन विक्रेताओं के हजारों उत्पाद भी निर्धारित दर और मानक के अनुसार उपलब्ध हैं। चूंकि सरकार की ओर से आदेश है कि जो उत्पाद या सेवाएं जेम पोर्टल पर उपलब्ध हैं, उनकी खरीदारी अनिवार्य रूप से जेम पोर्टल से ही की जाएगी।

सम्पादकीय

तांडव पर तांडव

वेब सीरीज तांडव के निर्देशक और इसकी पूरी टीम ने उन दर्शकों से माफी मांग ली है, जिनकी भावनाएं इसके कुछ दृश्यों से आहत हुई हैं। आरोप है, इसमें हिंदू देवताओं का उपहास उड़ाया गया है। बहरहाल, इस माफी के बाद अब विवाद का पटाक्षेप हो जाना चाहिए। लेकिन वेब धारावाहिकों के नियमन पर भी गौर करने की जरूरत है। यह पहली बार नहीं है, जब किसी फिल्म या धारावाहिक को लेकर हंगामा खड़ा हुआ हो और सियासी लोग इसमें उतर आए हों। हम गारंटी के साथ यह भी नहीं कह सकते कि तांडव विवाद के निपटारे के बाद कोई और बखेड़ा खड़ा नहीं होगा। आखिर करोड़ों भारतीयों की भावनाएं किसी के सृजन कर्म से आहत न होंगी, इसकी गारंटी कोई सेंसर बोर्ड या नियामक संस्था कैसे दे सकती है? तब तो और, जब भारत विभिन्न धर्मों, जातियों और भाषा-भाषियों का एक विराट समुच्चय है? सोशल मीडिया के इस दौर में किसी भी विवाद को व्यापक बनते देर नहीं लगती। ऐसे में, शासन-प्रशासन ही नहीं, कला-संस्कृति से जुड़े लोगों के लिए भी चुनौतियां काफी बढ़ती जा रही हैं। खासकर, धार्मिक विषयों और प्रतीकों के इस्तेमाल को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है। इन दिनों विवादों से कमाई की प्रवृत्ति धार्मिक उदारता का फायदा उठाने को उकसाने लगी है, लेकिन इससे अहित ईमानदार कलाकारों व कला प्रेमियों का हो रहा है। उनकी रचनाधर्मिता भी निशाने पर आ जाती है। यह अच्छी बात है कि तांडव के विवाद में सूचना-प्रसारण मंत्रालय तुरंत हरकत में आ गया। वेब सीरीज को लेकर शिकायतें तो पहले भी मिलती रही हैं, मगर वे हिंसा और अश्लीलता परोसने को लेकर थीं। उन शिकायतों का संज्ञान लेते हुए ही मंत्रालय ने हिदायत दी थी कि ओवर द टॉप मीडिया सर्विसेज यानी ओटीटी प्लेटफॉर्म स्व-नियमन के कायदे बनाएं, वरना सरकार यह काम करेगी। निस्संदेह, अभिव्यक्ति की आजादी एक बड़ा लोकतांत्रिक मूल्य है, और इससे कोई समझौता नहीं किया जा सकता, पर हर आजादी जिम्मेदारियों से पोषित होती है। यह बात कला जगत के लोगों को भी समझनी पड़ेगी। आने वाले दिनों में स्मार्टफोन और इंटरनेट का दायरा जैसे-जैसे बढ़ता जाएगा, ओटीटी प्लेटफॉर्म की लोकप्रियता भी बढ़ेगी। इसलिए सरकार को इस पर प्रसारित सामग्रियों को लेकर गंभीर होना पड़ेगा। इसी तरह, हरेक सफल लोकतंत्र अपने नागरिकों से भी कुछ अपेक्षाएं रखता है। उसकी सबसे बड़ी अपेक्षा यही होती है कि संवाद के जरिए हरेक विवाद सुलझाएं जाएं, ताकि कानून-व्यवस्था के लिए कोई मसला न खड़ा हो और समाज के ताने-बाने को नुकसान न पहुंचे। भारत जैसे बहुलवादी देश में तो संवादों की अहमियत और अधिक है। फिर असहमति और मुखर विरोध किस कदर प्रभावी हो सकते हैं, तांडव टीम का माफी मांगना इसका ताजा सुबूत है। मगर देश के रचनात्मक माहौल को ऐसे विवादों से कोई नुकसान न पहुंचे, यह सुनिश्चित करना सरकार से अधिक नागरिक समाज की जिम्मेदारी है। एक खुले,और विमर्शवादी देश-समाज में ही ऐसी संभावनाएं फल-फूल सकती हैं। उदारता किसी धर्म की कमजोरी नहीं, बल्कि उसका सबसे बड़ा संबल होती है, यह बात उससे बेजा लाभ उठाने की धृष्टता करने वालों, और उसके रक्षकों, दोनों को समझने की जरूरत है।

प्रेरणा और हिम्मत देते हैं गोबिंद सिंह जी के उपदेश

गुरु गोबिंद सिंह के 354वें प्रकाश पर्व (20 जनवरी) पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

1700 में दस हजार से भी ज्यादा मुगल सैनिकों को सिख जांबाजों के सामने मैदान छोड़कर भागना पड़ा था और गुरु जी की सेना ने 1704 में मुगलों के अलावा उनका साथ दे रहे पहाड़ी हिन्दू शासकों को भी करारी शिकस्त दी थी। मुगल शासक औरंगजेब की भारी-भरकम सेना को भी आनंदपुर साहिब में दो-दो बार धूल चाटनी पड़ी थी। गुरु गोबिंद सिंह के चारों पुत्र अजीत सिंह, फतेह सिंह, जोरावर सिंह और जुझार सिंह भी उन्हीं की भांति बेहद निडर और बहादुर योद्धा थे। अपने धर्म की रक्षा के लिए मुगलों से लड़ते हुए गुरु गोबिंद सिंह ने अपने पूरे परिवार का बलिदान कर दिया था। उनके दो पुत्रों बाबा अजीत सिंह और बाबा जुझार सिंह ने चमकौर के युद्ध में शहादत प्राप्त की थी। 26 दिसम्बर 1704 को गुरु गोबिंद सिंह के दो अन्य साहिबजादों जोरावर सिंह और फतेह सिंह को इस्लाम धर्म स्वीकार नहीं करने पर सरहिंद के नवाब द्वारा दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया था

सिखों के 10वें गुरु गोबिंद सिंह जी का 354वां प्रकाश पर्व पटना में तख्त श्री हरिमंदिर पटना साहिब में 20 जनवरी को मनाया जा रहा है। हिन्दू कैलेंडर के अनुसार गुरु गोबिंद सिंह का जन्म 1667 ई. में पौष माह की शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को 1723 विक्रम संवत को पटना साहिब में हुआ था और इस साल 20 जनवरी को यह तिथि है, इसीलिए इसी दिन गुरु गोबिंद सिंह का प्रकाशोत्सव मनाया जाएगा। वैसे गुरु गोबिंद सिंह जयंती दिसम्बर तथा जनवरी के महीने में कभी-कभार एक वर्ष में दो बार भी आती है, जिसकी गणना हिन्दू विक्रमी संवत कैलेंडर के अनुसार ही की जाती है। बचपन में गुरु गोबिंद सिंह जी को गोबिंद राय के नाम से जाना जाता था। उनके पिता गुरु तेग बहादुर सिखों के 9वें गुरु थे। पटना में रहते हुए गुरु जी तीर-कमान चलाना, बनावटी युद्ध करना इत्यादि खेल खेला करते थे, जिस कारण बच्चे उन्हें अपना सरदार मानने लगे थे। पटना में वे केवल 6 वर्ष की आयु तक ही रहे और सन 1673 में सपरिवार आनंदपुर साहिब आ गए। यहीं पर उन्होंने पंजाबी, हिन्दी, संस्कृत, बृज, फारसी भाषाएं सीखने के साथ घुड़सवारी, तीरंदाजी, नेजेबाजी इत्यादि युद्धकलाओं में भी महारत हासिल की। कश्मीरी पंडितों के धार्मिक अधिकारों की रक्षा के लिए उनके पिता और सिखों के 9वें गुरु तेग बहादुर जी द्वारा नवम्बर 1975 में दिल्ली के चांदनी चौक में शीश कटाकर शहादत दिए जाने के बाद मात्र 9 वर्ष की आयु में ही गुरु गोबिंद सिंह जी ने सिखों के 10वें गुरु पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाली और खालसा पंथ के संस्थापक बने।

शौर्य और साहस के प्रतीक तथा इतिहास को नई धारा देने वाले अद्वितीय, विलक्षण और अनुपम व्यक्तित्व के स्वामी गुरु गोबिंद सिंह जी को इतिहास में विलक्षण क्रांतिकारी संत व्यक्तित्व का दर्जा प्राप्त है। अत्याचार और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने के लिए उनका वाक्य 'सवा लाख से एक लड़ाऊं तां गोबिंद सिंह नाम धराऊं' सैकड़ों वर्षों बाद आज भी प्रेरणा और हिम्मत देता है। 'भै काहू को देत नहि, नहि भय मानत आन'- वाक्य के जरिये वे कहते थे कि किसी भी व्यक्ति को न किसी से डरना चाहिए और न ही दूसरों को डराना चाहिए। उन्होंने समाज में फैले भेदभाव को समाप्त कर समानता स्थापित की थी और लोगों में आत्मसम्मान तथा निडर रहने की भावना पैदा की। एक आध्यात्मिक गुरु होने के साथ-साथ वे एक निर्भयी योद्धा, कवि, दार्शनिक और उच्च कोटि के लेखक भी थे। उन्हें विद्वानों का संरक्षक भी माना जाता था। कहा जाता है कि 52 कवियों और लेखकों की उपस्थिति सदैव उनके दरबार में बनी रहती थी और इसीलिए उन्हें 'संत सिपाही' भी कहा जाता था। उन्होंने स्वयं कई ग्रंथों की रचना की थी।

'बिचित्र नाटक' को गुरु गोबिंद सिंह की आत्मकथा माना जाता है, जो उनके जीवन के विषय में जानकारी का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत है। यह 'दशम ग्रंथ' का एक भाग है, जो गुरु गोबिंद सिंह की कृतियों के संकलन का नाम है। इस दशम ग्रंथ की रचना गुरु जी ने हिमाचल के पोंटा साहिब में की थी। कहा जाता है कि एकबार गुरु गोबिंद सिंह अपने घोड़े पर सवार होकर हिमाचल प्रदेश से गुजर रहे थे और एक स्थान पर उनका घोड़ा अपने आप आकर रुक गया। उसी के बाद से उस जगह को पवित्र माना जाने लगा और उस जगह को पोंटा साहिब के नाम से जाना जाने लगा। दरअसल 'पोंटा' शब्द का अर्थ होता है 'पांव' और जिस जगह पर घोड़े के पांव अपने आप थम गए, उसी जगह को पोंटा साहिब नाम दिया गया। गुरु जी ने अपने जीवन के चार वर्ष पोंटा साहिब में बिताए, जहां अभी भी उनके हथियार और कलम रखे हैं।

1699 में बैसाखी के दिन तख्त श्री केसगढ़ साहिब में कड़ी परीक्षा के बाद पांच सिखों को 'पंज प्यारे' चुनकर गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की थी, जिसके बाद प्रत्येक सिख के लिए कृपाण या श्रीसाहिब धारण करना अनिवार्य कर दिया गया। वहीं पर उन्होंने 'खालसा वाणी' भी दी, जिसे 'वाहे गुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह' कहा जाता है। उन्होंने जीवन जीने के पांच सिद्धांत दिए थे, जिन्हें 'पंच ककार' (केश, कड़ा, कृपाण, कंघा और कच्छा) कहा जाता है। गुरु गोबिंद सिंह ने ही 'गुरु ग्रंथ साहिब' को सिखों के स्थायी गुरु का दर्जा दिया था। सन 1708 में गुरु गोबिंद सिंह ने महाराष्ट्र के नांदेड़ में शिविर लगाया था। वहां जब उन्हें लगा कि अब उनका अंतिम समय आ गया है, तब उन्होंने संगतों को आदेश दिया कि अब गुरु ग्रंथ साहिब ही आपके गुरु हैं। गुरु जी का जीवन दर्शन था कि धर्म का मार्ग ही सत्य का मार्ग है और सत्य की हमेशा जीत होती है। वे कहा करते थे कि मनुष्य का मनुष्य से प्रेम ही ईश्वर की भक्ति है, अतः जरूरतमंदों की मदद करो। अपने उपदेशों में उनका कहना था कि ईश्वर ने मनुष्यों को इसलिए जन्म दिया है ताकि वे संसार में अच्छे कर्म करें और बुराई से दूर रहें।

उन्होंने कई बार मुगलों को परास्त किया। आनंदपुर साहिब में तो मुगलों से उनके संघर्ष और उनकी वीरता का स्वर्णिम इतिहास बिखरा पड़ा है। सन 1700 में दस हजार से भी ज्यादा मुगल सैनिकों को सिख जांबाजों के सामने मैदान छोड़कर भागना पड़ा था और गुरु जी की सेना ने 1704 में मुगलों के अलावा उनका साथ दे रहे पहाड़ी हिन्दू शासकों को भी करारी शिकस्त दी थी। मुगल शासक औरंगजेब की भारी-भरकम सेना को भी आनंदपुर साहिब में दो-दो बार धूल चाटनी पड़ी थी। गुरु गोबिंद सिंह के चारों पुत्र अजीत सिंह, फतेह सिंह, जोरावर सिंह और जुझार सिंह भी उन्हीं की भांति बेहद निडर और बहादुर योद्धा थे। अपने धर्म की रक्षा के लिए मुगलों से लड़ते हुए गुरु गोबिंद सिंह ने अपने पूरे परिवार का बलिदान कर दिया था। उनके दो पुत्रों बाबा अजीत सिंह और बाबा जुझार सिंह ने चमकौर के युद्ध में शहादत प्राप्त की थी। 26 दिसम्बर 1704 को गुरु गोबिंद सिंह के दो अन्य साहिबजादों जोरावर सिंह और फतेह सिंह को इस्लाम धर्म स्वीकार नहीं करने पर सरहिंद के नवाब द्वारा दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया था और माता गुजरी को किले की दीवार से गिराकर शहीद कर दिया गया था। नांदेड़ में दो हमलावरों से लड़ते समय गुरु गोबिन्द सिंह के सीने में दिल के ऊपर गहरी चोट लगी थी, जिसके कारण 18 अक्तूबर 1708 को नांदेड में करीब 41 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया था। नांदेड़ में गोदावरी नदी के किनारे बसे हुजूर साहिब में उन्होंने अंतिम सांस ली थी।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

चिंतन

भारत में बदलाव, बजट और उसके बाद के प्रयास

प्रकाश चावला

'सुधार' कोई एक बार होने वाली घटना नहीं है, बल्कि यह शासन की गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से हमेशा जारी रहती है। 'सुधार, प्रदर्शन, परिवर्तन' के क्रम में अंतिम शब्द- 'परिवर्तन' सबसे अहम है, क्योंकि इससे स्पष्ट रूप से लक्ष्य का निर्धारण होता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने कार्यकाल के पहले दिन से ही अपना सरकार के लिए यह कार्य तय कर दिया था। 'परिवर्तन' का लक्ष्य तय था और है- वहीं सुधार और प्रदर्शन इस दिशा में बढ़ने के माध्यम हैं। आम बजट विशेष लक्ष्यों के निर्धारण और उन्हें हासिल करने के सबसे महत्वपूर्ण साधनों में से एक है। इन विशेष लक्ष्यों में से उन्हें सबसे पहले पूरा किया जाना चाहिए जो जनता के समग्र लाभ से जुड़े हैं। सरकार का वार्षिक बजट 30 लाख करोड़ रुपये का है और व्यय के मद सावधानी से चुने जाने चाहिए, क्योंकि चयन से ही उसकी नीति की दिशा का पता चलता है। 2014-15 के अपने बजट भाषण में, तत्कालीन वित्त मंत्री स्वर्गीय अरुण जेटली ने कहा था : 'इस एनडीए सरकार के पहले बजट में, जिसे मैं गरिमापूर्ण सदन में पेश कर रहा हूं, मेरा उद्देश्य उस दिशा के लिए समग्र नीतिगत संकेतक तैयार करना है जहां हम देश को ले जाना चाहतेहैं।'

हमारे इर्दगिर्द फैले शोरशराबे में, हम 10 जुलाई, 2014 को जेटली द्वारा प्रस्तुत उनके पहले बजट में और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 1 फरवरी, 2021 को पेश किए जाने वाले बजट के बीच मोदी सरकार द्वारा किए गए प्रमुख सुधारों से मिले संदेश को भूल गए होंगे। बीते साढ़े छह साल के दौरान कई परिवर्तनकारी और जीवन को बदलने वाले सुधार हुए हैं, लेकिन इस दिशा में प्रगति जारी है और आगे भी जारी रहनी चाहिए। कुल मिलाकर,135 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को निरंतर 'सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन' के बिना हासिल नहीं किया जा सकता है। अपने पहले बजट में जब रक्षा विनिर्माण में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की सीमा 26 प्रतिशत से बढ़ाकर 49 प्रतिशत करने के समान ही बीमा क्षेत्र में ऐलान करके, एनडीए सरकार ने सिर्फ सुधारों को ही गति दी है। रक्षा क्षेत्र में एफडीआई को स्वचालित रूट से 74 प्रतिशत तक और आधुनिक तकनीक तक पहुंच उपलब्ध कराने पर उससे भी ज्यादा सीमा तक के लिए खोल दिया गया है। चालू वित्त वर्ष के दौरान सरकार विनिवेश की दिशा में आगे बढ़ नहीं पा रही है और कोविड 19 महामारी के चलते भी इसमें देरी हुई है, ऐसे में बीपीसीएल, कॉनकोर और एससीआई जैसे ब्लूचिप पीएसयू की एकमुश्त रणनीतिक बिक्री का फैसला लिया गया है। ऐसी रणनीतिक बिक्री सिर्फ अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के दौरान मारुति उद्योग और बाल्को जैसी कंपनियों की हुई थी। मोदी सरकार द्वारा गैर प्रमुख संपदाओं के मौद्रीकरण के लिए दूरगामी सुधारों को स्वीकृति देने का फैसला किया गया था। महत्वपूर्ण बात यह है कि पीएसयू बैंक,जिनका 12 में विलय कर दिया गया है, भी गैर प्रमुख क्षेत्रों में आते हैं। वास्तव में, ऐसे दौर में जब वित्तीय स्थिति दबाव में है, कोविड वैक्सीन टीकाकरण को लागू करने और 29.87 लाख करोड़ रुपये के आत्मनिर्भर भारत पैकेज सहित स्वास्थ्य के लिए जरूरी प्रतिबद्धताओं को देखते हुए बड़े मेट्रो शहरों में रियल एस्टेट परियोजनाओं के साथ ही गैर मुख्य सरकारी संपदाओं की त्वरित बिक्री जरूरी हो गई है।

आधिकारिक अनुमानों के मुताबिक, तीन किस्तों में घोषित आत्मनिर्भर भारत पैकेज जीडीपी के 15 प्रतिशत के बराबर है और इसमें रोजगार समर्थन, एमएसएमई को आसान वित्तपोषण, खाद्य राहत और संकटग्रस्त क्षेत्रों को सहायता शामिल है। तेज आर्थिक सुधार के रूप में इसका असर दिखना शुरू हो गया है; लेकिन इसके लिए व्यापक वित्तीय प्रतिबद्धताएं की गई थीं और संसाधनों को नए और साहसी कदमों के माध्यम से जुटाया जाना चाहिए।

बाजार की परिस्थितियां काफी अनुकूल हैं; द्वितीयक बाजार में पीएसयू शेयरों के प्रति पूर्वाग्रह के विपरीत उनके आकर्षक मूल्यांकन पर आशावाद के लिए मार्ग प्रशस्त हो रहा है। अब आगे बढ़ने का समय है। 3 लाख करोड़ रुपये का विनिवेश लक्ष्य तय करना और प्रचुर नकदी से पूंजी जुटाना संभव हो सकता है।

हमारे वित्तीय बाजारों में विदेशी पूंजी का प्रवाह बढ़ रहा है, क्योंकि विकासशील बाजारों (ईएम) की सूची में भारत के आंकड़े खासे मजबूत हैं। वित्त वर्ष 22 में वी- आकार के सुधार की संभावनाओं से उत्साहित सेंसेक्स 50,000 के मनोवैज्ञानिक आंकड़े को छूने की ओर अग्रसर है। ईएम में सबसे ज्यादा पूंजी आकर्षित करने में सक्षम होने के कारण, भारत को कैलेंडर वर्ष 2020 में 23 अरब डॉलर का निवेश हासिल हो चुका है और यह क्रम नए साल में भी जारी है। भारतीय कंपनियों के राजस्व और उनके लाभ की संभावनाओं के मद्देनजर निवेशक उनके ऊंचे मूल्यांकन को लेकर खासे उत्साहित नजर आ रहे हैं। यदि आप उन लोगों में से हैं जो पूंजी बाजार को सट्टा मानते हैं तो आपके लिए एक और आंकड़ा है, जो बताता है कि कैसे वैश्विक निवेशक भारत के साथ आगे चलना चाहते हैं। वित्त वर्ष 2020-21 के शुरूआती छह महीनों में ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड परियोजनाओं में लगभग 30 अरब डॉलर का एफडीआई आया। यदि अनुमान को सीमित रखें तो भी वित्त वर्ष 21 में एफडीआई प्रवाह आसानी से 50 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर जाएगा। भू-राजनीतिक वजहों और अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडेन के चीन पर नरम नहीं पड़ने की वास्तविकता को देखते हुए, भारत को दुनिया की दिग्गज विनिर्माण कंपनियों के लिए एक गंभीर विकल्प माना जा रहा है। प्रधानमंत्री ने हाल में भारतीय उद्योग जगत को सलाह दी थी कि हमें सतर्क रहना चाहिए और तेजी से बदले वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य का सामना करने के लिए मुस्तैद रहना चाहिए। पड़ोस में चीन जैसा एक बड़ा विनिर्माण हब होने के कारण यह काम बेहद जरूरी हो जाता है। घरेलू परिदृश्य की बात करें तो वस्तु एवं सेवा कर की पेशकश निश्चित रूप से मोदी सरकार का सबसे महत्वपूर्ण और जीवन को बदलने वाला सुधार है। जीएसटी के कार्यान्वयन में शुरूआत में समस्याएं आई थीं, लेकिन अब उसे हितधारकों से अच्छा समर्थन मिल रहा है। जीएसटी का योगदान अधिकांश भारतीय अर्थव्यवस्था को उपभोक्ताओं और मध्यवर्तियों के साथ औपचारिक कर व्यवस्था के भीतर लाना है, जिसमें व्यवस्था को जीवन के भाग के रूप में स्वीकार किया गया है। अब कर-अदायगी से जीवन ज्यादा आसान होने और इसके कम खचीर्ले होने का अहसास ज्यादा व्यापक हो गया है। सरकार ने जीएसटी से रोजमर्रा के इस्तेमाल वाली वस्तुओं के सस्ता होने के कई उदाहरण दिए हैं। उदाहरण के लिए, टीवी सेट, वाशिंग मशीन, वाटर हीटर, डिटर्जेंट और कॉस्मेटिक उत्पादों पर कर घटकर 18 प्रतिशत रह गया है, जबकि जीएसटी से पहले की व्यवस्था में यह 28 प्रतिशत था। वित्तीय समावेशन कार्यक्रम पीएम जनधन योजना को डिजिटल इंडिया पहल के द्वारा ऐसे सुधार में तब्दील किया गया, जो वास्तव में समावेशी है। अगस्त, 2014 से अगस्त, 2019 के बीच 35.27 करोड़ जनधन खाते खोलकर काफी हद तक भारतीय समाज और निचले स्तर के उपभोक्ताओं के जीवन में बदलाव का मार्ग प्रशस्त किया गया। इनमें से ज्यादातर खाते यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) से जुड़े हुए हैं। पेमेंट वालेट से आगे निकलने की महत्वाकांक्षाओं के साथ बड़ी संख्या में आगे आईं फिनटेक कंपनियों ने तकनीक रूप से सक्षम वित्तीय समावेशन की नींव रखीं, जो संभवतः दुनिया का सबसे बड़ा समावेशन है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर अभी तक 161 लाख करोड़ रुपये के मूल्य के लगभग 2,649 करोड़ वित्तीय लेनदेन हो चुके हैं। यह कहने की जरूरत नहीं है कि अब डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पूरी तैयारी से बड़ी छलांग के लिए तैयार हैं, साथ ही एक 'रचनात्मक बदलाव' का वास्तविक उदाहरण पेश कर रहे हैं। 'भर्ती करो और निकालो' के असमंजस के साथ, बिना किसी शोरशराबे के श्रम सुधारों की शुरूआत की गई है। 29 विभिन्न और पुराने श्रम कानूनों को चार कानूनों में समाहित करने का व्यापक स्वागत किया गया। मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों ने इन श्रम सुधारों को अपनी निवेश नीतियों से जोड़ते हुए लागू करने में खासी तत्परता दिखाई। आगामी बजट पहले के बजट से काफी अलग होने जा रहा है। निस्संदेह वित्त मंत्री पर संसाधन जुटाने का खासा दबाव है, लेकिन एफआरबीएम की लक्ष्मण रेखा यानी राजकोषीय घाटे को पार करने को लेकर उन पर इस बार नजर नहीं रहेगी। यह नया दौर हो सकता है; ज्यादातर विश्लेषक मानते हैं कि व्यय को कम नहीं रखा जा सकता है।

प्रकाश चावला दिल्ली के एक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

ईश्वरीय सिद्धांत

तीन अत्यन्त महत्त्वपूर्ण सिद्धांत व्यक्त होते हैं- यह जो संसार है परमात्मा से व्याप्त है, उसके अतिरिक्त सब मिथ्या है, माया है, भ्रम है, स्वप्न है। मनुष्य को उसकी इच्छानुसार सृष्टि संचालन के लिए कार्य करते रहना चाहिए। मनुष्य में जो श्रेष्ठता-शक्ति या सौन्दर्य है वह उसके दैवी गुणों के विकास पर ही है। मनुष्य जीवन के सुख और उसकी शांति के लिए इन तीनों सिद्धांतों का पालन ऐसा ही पुण्य-फलदायक है। ईश्वर उपासना मनुष्य का स्वाभाविक धर्म है। उपासना विकास की प्रक्रिया है। संकुचित को सीमारहित करना, स्वार्थ को छोड़कर परार्थ की ओर अग्रसर होना मनुष्य के आत्मतत्त्व की ओर विकास की परंपरा है। पर यह तभी संभव है जब सर्व-शक्तिमान परमात्मा की सत्ता को स्वीकार कर लें, उसकी शरणागति की प्राप्ति हो जाय। मनुष्य रहते हुए मानवता की सीमा को भेदकर उसे देवस्वरूप में विकसित कर देना ईश्वर की शक्ति का कार्य है। जान-बूझकर या अकारण परमात्मा कभी किसी को दंड नहीं देता। प्रकृति की स्वच्छंद प्रगति प्रवृत्ति में ही सबका हित निर्यात्रित है। जो इन प्राकृतिक नियमों से टकराता है वह बार-बार दुःख भोगता है और तब तक चैन नहीं पाता, जब तक वापस लौटकर फिर उस सही मार्ग पर नहीं चलने लगता है। भगवान भक्त की भावनाओं का फल तो देते हैं, किंतु उनका विधान सभी संसार के लिए एक जैसा ही है। भावनाशील व्यक्ति भी जब तक अपने आप की सीमाएं नहीं पार कर लेता, तब तक अटूट विश्वास, दृढ़ निश्चय रखते हुए भी उन्हें प्राप्त नहीं कर पाता। अपने से विमुख प्राणियों को भी वे दुःख-दंड नहीं देते। मनुष्य का विधान तो देश, काल और परिस्थितियों वश बदलता भी रहता है, किंतु उसका विधान सदैव एक जैसा ही है। भावनाशील व्यक्ति भी उसकी चाहे कितनी ही उपासना करे- सांसारिक कर्त्तव्यों की अवहेलना कर या दैवी-विधान का उल्लंघन कर कभी सुखी नहीं रह सकता। जैसा कर्म-बीज वैसा ही फल, यह उसका निश्चल नियम है। सुख और दुःख, बंधन और मुक्ति मनुष्य के कर्मों के अनुसार ही प्राप्त होते हैं। दुष्कर्मों का फल भोगने से मनुष्य बच नहीं सकता। अपनी तुच्छ सत्ता को परमात्मा की शरणागति में ले जाने से मनुष्य अनेकों कष्ट- कठिनाइयों से बच जाता है। गृहपति की अवज्ञा करके जिस तरह घर का कोई भी सदस्य सुखी नहीं रह सकता, उसी प्रकार परमात्मा का विरोधी भी कभी सुखी या संतुष्ट नहीं रह सकता।

twitter

2020 के चुनौतीपूर्ण वर्ष में दिल्ली पुलिस सभी परीक्षाओं में सर्वोत्तम गुणों के साथ उत्तीर्ण होकर जनता के साथ खड़ी रही। चाहे उत्तर-पूर्वी दिल्ली की हिंसा हो या लॉकडाउन, दिल्ली पुलिस ने हर चुनौती का अच्छे से सामना किया है। मैं @DelhiPolice की पूरी टीम को हृदय से साधुवाद देता हूँ।

अमित शाह, केन्द्रीय गृहमंत्री भारत सरकार

गरीब की सेवा ही भगवान की पूजा है। 'संबल योजना' गरीब, दीन और कुछ कारणवश पीछे रह गए नागरिकों को संबल देने के लिए बनाई गई है। भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में #संबलयोजना के हितग्राहियों के खातों में रु. 224 करोड़ अनुग्रह राशि सिंगल क्लिक से ट्रांसफर की।

शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश

प्रदेश में अवैध शराब बेचने वाले माफियाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आज से ही इनके खिलाफ कठोर कार्रवाई शुरू होगी। आज शाम मुख्यमंत्री जी खुद इस संबंध में सभी जिलों के कलेक्टर और एसपी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक करेंगे।

नरोत्तम मिश्रा, गृहमंत्री मध्यप्रदेश

आज रतलाम में किसानों के समर्थन में आयोजित रैली में सम्मिलित हुआ। किसानों के हित के लिए केंद्र सरकार को काले कानूनों को वापस लेना ही होगा।

सज्जन सिंह वर्मा, विधायक देवास

व्हाट्सएप की नई शर्तें

रंजना मिश्रा
कानपुर, उत्तर प्रदेश

इस नए साल में व्हाट्सएप ने अपना एक नया नोटिफिकेशन जारी किया है, जिसमें उपयोगकर्ताओं से व्हाट्सएप की न्यू टर्म्स एंड प्राइवेसी पॉलिसी में बदलावों को स्वीकार करने के लिए कहा गया है। 8 फरवरी 2021 तक ऐसा न करने पर उपयोगकर्ता के व्हाट्सएप अकाउंट को हटा दिया जाएगा। इस नोटिफिकेशन के मुताबिक अब व्हाट्सएप लोगों के डेटा को फेसबुक के साथ शेयर करेगा। व्हाट्सएप और फेसबुक एक ही कंपनी के हैं और यहां डेटा का मतलब है, लोगों के फोन नंबर, लोगों के कांटेक्ट और व्हाट्सएप स्टेटस जैसी तमाम जानकारियां। ये डेटा व्हाट्सएप अब फेसबुक के साथ शेयर करेगा और यदि किसी को ये शर्त स्वीकार ना हो तो वह अपने व्हाट्सएप अकाउंट को डिलीट कर सकता है। वर्ष 2021 की शुरुआत में ही व्हाट्सएप ने ये नई शर्तें लागू कर दी हैं किंतु 2009 में जब व्हाट्सएप लांच हुआ था तो उसने अपनी सारी सेवाएं फ्री में देने का लालच दिया था और लोगों के मैसेजेज और डेटा को प्राइवेट रखने का वादा किया था। अब दुनिया का हर तीसरा व्यक्ति व्हाट्सएप का इस्तेमाल कर रहा है और व्हाट्सएप पर करोड़ों लोगों के इस डेटा भंडार से फेसबुक का बिजनेस और बढ़ेगा तथा फेसबुक का और अधिक विस्तार होगा। भारत में करीब 40 करोड़ लोग अपने पर्सनल और प्रोफेशनल जीवन में व्हाट्सएप का इस्तेमाल करते हैं। अब तो अदालतों और पुलिस के नोटिस तक व्हाट्सएप में भेजे जा रहे हैं और कानून ने इसे स्वीकार भी कर लिया है।लोगों की अनुमति मिलने के बाद उनके मोबाइल फोन नंबर, उनके एड्रेस बुक के सभी कांटेक्ट व्हाट्सएप के पास होंगे। लोगों का स्टेटस मैसेज भी व्हाट्सएप देख पाएगा। उनके बैंक बैलेंस की जानकारी भी व्हाट्सएप के पास होगी।

व्हाट्सएप पेमेंट सर्विस की मदद से कोई व्यक्ति अपना पैसा जहां भी खर्च करेगा उसकी एक-एक जानकारी व्हाट्सएप के पास होगी। अब व्हाट्सएप की पेमेंट सर्विस आ चुकी है। आगे चलकर देश की बड़ी कंपनियां पेमेंट के लिए व्हाट्सएप का ही इस्तेमाल करेंगी और तब व्हाट्सएप के पास लोगों की फाइनेंस व बैंकों से जुड़ी सारी महत्वपूर्ण जानकारियां होंगी। व्हाट्सएप के पास लोगों के घर और ऑफिस तक का पता होगा क्योंकि किसी भी व्यक्ति के मोबाइल से उसके लोकेशन का पता चल जाएगा। कोई भी व्यक्ति कहां शॉपिंग करता है, कहां पार्टी करता है, कहां छुट्टियां बिताता है, किस रेस्टोरेंट या होटल में खाना खाने जाता है, कौन सा मोबाइल फोन इस्तेमाल करता है तथा उसके दोस्तों आदि की पूरी जानकारी व्हाट्सएप के पास होगी। किसी भी व्यक्ति के फोटोज़ और वीडियोज़ को व्हाट्सएप ज्यादा समय तक अपने सर्वर पर रख पाएगा। किसी व्यक्ति के मैसेजेज़ को सीधे पढ़ा नहीं जाएगा, यह वादा व्हाट्सएप अभी भी कर रहा है किंतु कोई व्यक्ति किससे बातें करता है, किसे मैसेज भेजता है, किस व्हाट्सएप ग्रुप में ज्यादा एक्टिव है, इस बात की जानकारी अभी तक केवल उस व्यक्ति को पता होती थी किंतु अब व्हाट्सएप भी इस बात का पता लगा सकता है। अब व्हाट्सएप बिजनेस अकाउंट पर भी नजर रखेगा। उनके जरिए लोगों तक पहुंचने वाले डेटा को रिकॉर्ड करेगा और उन सभी जानकारियों की मदद से लोगों की प्रोफाइल बनाई जाएगी। व्हाट्सएप से यह सारा डेटा फेसबुक के पास जाएगा। फेसबुक जैसी बड़ी कंपनियों ने करोड़ों लोगों के डेटा को एकत्र करने के लिए बड़े-बड़े डेटा सेंटर बनाए हुए हैं। फेसबुक इस डेटा को दूसरी कंपनियों के साथ शेयर करके उनसे पैसा कमाएगा। देश और दुनिया में ऐसी कई कंपनियां हैं जो लोगों के बारे में, उनकी आदतों के बारे में और उनकी सोच के बारे में जानना चाहती हैं। कोई व्यक्ति क्या खरीदना चाहता है, क्या सर्च कर रहा है, इस आधार पर डेटा ट्रैकिंग की मदद से उससे संबंधित विज्ञापन उसे डिजिटल वर्ल्ड में दिखाए जाते हैं। कंपनियां इस मनोविज्ञान को लेकर चलती हैं कि यदि एक ही विज्ञापन किसी को बार-बार दिखाया जाएगा तो एक न एक दिन वह व्यक्ति उसे खरीद ही लेगा। इसका तात्पर्य यह है कि व्हाट्सएप अब फ्री मैसेजिंग सर्विस नहीं रहा।कोई भी एप यदि फ्री सर्विस देने का वादा करता है तो यह झूठ ही है क्योंकि हम इन एपों को फ्री सर्विस के बदले में अपना बहुमूल्य डेटा दे रहे हैं, फायदे में तो ये कंपनियां ही रहती हैं। डेटा को दुनिया में नया ऑयल माना जाता है। यह एक ऐसा प्रोडक्ट है जिसकी मांग लगातार बढ़ रही है। इस मांग को पूरा करने के लिए वर्ष 2014 में फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग ने 1 लाख 39 हजार रुपए में व्हाट्सएप को खरीदा था, तब ऐसा समझा जा रहा था कि फेसबुक ने इस डील पर बहुत अधिक पैसा खर्च कर दिया है, किंतु मार्क जुकरबर्ग के पास इस डील से पैसा कमाने की एक बहुत ही दूरदर्शी योजना थी। जुकरबर्ग व्हाट्सएप को खरीदने के दो वर्षों के बाद ही इसके डेटा को बेचकर पैसा कमाना चाहते थे, तब इसका विरोध करते हुए व्हाट्सएप के संस्थापकों ने इस कंपनी से इस्तीफा दे दिया था। फेसबुक की 99त्न कमाई डिजिटल विज्ञापनों से होती है और वर्ष 2019 में फेसबुक की कमाई 5 लाख 21हजार करोड़ रुपए थी। व्हाट्सएप से दुनिया के 200 करोड़ लोगों का डेटा मिलने के बाद अब फेसबुक का बिजनेस दिन दूना रात चौगुना तरक्की कर रहा है। फेसबुक का नेटवर्क 10 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा है। भारत में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला सोशल मीडिया एप फेसबुक है, लोग अपनी पर्सनल जानकारी या डेटा फेसबुक पर शेयर करते हैं और फेसबुक इस डेटा को दूसरे एप्स के साथ शेयर कर सकता है। इस तरह से यदि व्हाट्सएप का डेटा फेसबुक में शेयर होगा तो व्यक्ति की सारी प्राइवेसी समाप्त हो जाएगी।

मोस्ट वॉन्टेड भाई का फैसला

सलमान ने मान ली थिएटर ओनर्स की रिक्वेस्ट

ईद पर ही रिलीज होगी राधे

सलमान खान से उनकी अपकमिंग फिल्म 'राधे' को थिएटर में रिलीज करने के लिए देश भर के थिएटर एग्जिबिटर्स एसोसिएशन ने रिक्वेस्ट की थी। जिसके राइट्स जी के पास हैं, क्योंकि इन सभी को लगता था कि केवल सलमान खान की फिल्म ही महामारी के कारण सिनेमाघरों को हुए आर्थिक नुकसान से उबरने में मदद कर सकती है। अब सलमान ने इन सभी को फाइनली खुश खबरी सुना दी है।

राधे का कमिटमेंट ईद का है

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए उन्होंने लिखा है- माफी चाहता हूं सारे थिएटर्स ओनर्स को जवाब देने में इतना समय लिया। इस वक्त में यह एक बड़ा फैसला था। मैं उन फाइनेन्शियल परेशानियों को समझता हूं जिनसे थिएटर ओनर्स और एग्जीबिटर्स जूझ रहे हैं। बदले में वे राधे को देखने के लिए आने वाले दर्शकों के लिए अत्यधिक सावधानी बरतेंगे, यही उम्मीद करूंगा। कमिटमेंट ईद का है और यह ईद 2021 की होगी इंशाल्लाह।

सलमान खान ने प्रोड्यूस की है फिल्म

फिल्म राधे को प्रभुदेवा ने डायरेक्ट किया है, जिसमें सलमान खान के साथ दिशा पटानी लीड रोल में नजर आएंगी। फिल्म में जैकी श्रॉफ, जरीना वहाब और रणदीप हुड्डा भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'राधे' को सलमान खान, सोहेल खान और अतुल अग्निहोत्री के बैनर सलमान खान फिल्म्स, सोहेल खान प्रोडक्शंस और रील लाइफ प्रोडक्शन के तहत को-प्रोड्यूस किया गया है।

रिया चक्रवर्ती के साथ काम क्यों नहीं करेगा कोई वह मासूम है: सोनी राजदान

रिया चक्रवर्ती को भट्ट फैमिली से एक बार फिर सपोर्ट मिला है। इस बार उनके लिए सोनी राजदान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। शुनाली श्रॉफ के पोस्ट को शेयर करते हुए सोनी ने लिखा है- कोई उसके साथ काम क्यों नहीं करेगा। मुझे लगता है कि वह बहुत अच्छा करेगी। मैं वैसे भी उम्मीद ही कर सकती हूं।

सोनी ने लिखा-वह अच्छा काम करेगी

सोनी ने अपनी पोस्ट में लिखा है- वह जेल गई सिर्फ इसलिए ताकि उन लोगों को एक्सपोज कर सके जिन्होंने उसे भेजा। वह दिखाना चाहती थी कि वह मासूम शिकार बनी, उस अपराध के लिए जिसे ट्विस्ट दिया गया। कोई उसके साथ काम नहीं करेगा। मुझे लगता है वह बहुत अच्छा काम करेगी, हालांकि मैं सिर्फ उम्मीद ही कर सकती हूं। सोनी की इस पोस्ट की सीरीज कुछ इस तरह रही। फराह खान अली ने अर्नब के वॉट्सऐप चैट वायरल होने के बाद कई पोस्ट के बाद रिया के लिए लिखा- मुझे उम्मीद है कि रिया चक्रवर्ती को अर्नब के हाल पर हंसी आ रही होगी, इस आदमी ने उसे बर्बाद करने की कोशिश की और सफल नहीं हुआ, लेकिन उसने निश्चित रूप से अपनी रेपुटेशन खो दी। इसके बाद शुनाली ने अपनी पोस्ट में लिखा- वह जेल गई और संभवतः बॉलीवुड में अपने करियर को लेकर कई मौके गवां दिए। अब देखना है कि अर्नब के साथ क्या होगा। निश्चित रूप से कुछ नहीं होगा।

रूमी जाफरी भी कर चुके हैं सिफारिश

सोनी से पहले रिया के बारे में डायरेक्टर रूमी जाफरी भी सिफारिश कर चुके हैं। एक इंटरव्यू में रूमी ने कहा था- रिया अगले साल काम पर लौट आएंगी। मैं हाल ही में उनसे मिला। वे गुमसुम थीं। ज्यादा बात नहीं की। वे जिस दौर से गुजरी हैं, उसके लिए उन्हें जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। स्थिति ठीक होने दीजिए।

ड्रग्स मामले में हुई थी गिरफ्तारी

28 साल की रिया चक्रवर्ती तब अचानक विवादों में आ गई थीं, जब सुशांत सिंह राजपूत की मौत (14 जून) के करीब डेढ़ महीने बाद जुलाई में उनके पिता केके सिंह ने पटना में एक्ट्रेस और उनके परिवार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। सिंह ने रिया पर सुशांत को खुदकुशी के लिए उकसाने और उनके बैंक खाते से 15 करोड़ रुपए की हेराफेरी का केस दर्ज कराया था, जो बाद में सौंप दिया गया।

कॉमेडियन सुनील ग्रोवर: जसपाल भट्टी ने पहचाना था टैलेंट

कॉमेडी टीवी शोज पसंद करने वाला शायद ही ऐसा कोई हो, गुत्थी, जो रिंकू भाभी और डॉक्टर मशहूर गुलाटी के नाम से परिचित न हो। कॉमेडियन सुनील ग्रोवर की पहचान यह कैरेक्टर है। 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' और 'द कपिल शर्मा शो' के इसी किरदार ने उन्हें रातों-रात पॉपुलैरिटी दिला थी। लेकिन अब कॉमेडी से हटकर सुनील कुछ अलग किरदारों में भी हाथ आजमा रहे हैं।

हाल ही में रिलीज हुई वेबसीरीज तांडव में वह एक अहम किरदार निभाते दिख रहे हैं।सुनील का जन्म 3 अगस्त 1977 को हरियाणा के शहर डबवाली में हुआ था। उन्होंने स्कूली शिक्षा आर्य विद्या मंदिर डबवाली से ली, जबकि आगे की पढ़ाई गुरुनानक कॉलेज से की। सुनील ग्रोवर के पिता जेएन ग्रोवर स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर में मैनेजर थे। अब वे रिटायर हो चुके हैं।

पंजाब यूनिवर्सिटी के थिएटर विभाग से पीजी करने के बाद सुनील एक्टिंग में किस्मत आजमाने मुंबई चले आए थे। टीवी से जुड़ने से पहले सुनील दिल्ली के रेडियो स्टेशन रेडियो मिर्ची में काम कर चुके हैं। उन्होंने रेडियो मिर्ची के लिए उनकी पॉपुलर सीरीज 'हंसी के फव्वारे' को होस्ट किया था, जिसमें उनके कैरेक्टर का नाम सुदर्शन था। सुदर्शन को बेहूदा जोक्स को फनी तरीके से पेश करने के लिए जाना जाता था।

सुनील ने अपना फिल्मी डेब्यू फिल्म 'प्यार तो होना ही था' से किया था। उनका टैलेंट मशहूर कॉमेडियन जसपाल भट्टी ने पहचाना था जिसके बाद सुनील को कई शो के ऑफर मिले।

सुनील के सबसे फेमस किरदार गुत्थी के पीछे भी दिलचस्प कहानी है। दरअसल, सुनील को इसकी इंस्पिरेशन अपनी कॉलेज की एक क्लासमेट से मिली थी। क्लासमेट से इंस्पायर होकर सुनील ने गुत्थी के किरदार को जिया और सफलता की सीढ़ियां चढ़ते गए। सुनील के मुताबिक, वह खिन भी परफॉर्म करने से पहले अपने सारे जोक बीवी आरती को सुनाते हैं।

दीपिका पादुकोण से फैन ने पूछा

आप सुबह उठकर पहला काम क्या करती हैं?

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैन्स से जुड़ी रहती हैं। अब दीपिका ने इंस्टाग्राम पर फैन्स के लिए सेशन किया। इस दौरान फैन्स ने उनसे कई सवाल पूछे, जिसका उन्होने मजेदार जवाब दिए। इस दौरान दीपिका ने अपनी कुकिंग हैबिट्स के बारे में भी बताया।

एक फैन ने दीपिका से पूछा कि आपका पसंदीदा फूड क्या है, जिसे आप बनाती है? इसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा- कुकीज। दीपिका ने बताया कि वह कुकीज बनाने की बहुत शौकीन हैं। इसके बाद दूसरे फैन ने पूछा कि आप सुबह उठने के बाद सबसे पहले क्या काम करती हैं? इसके जवाब में दीपिका ने कहा कि मैं सबसे पहले अलार्म बंद करती हूं।

दीपिका ने अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर बात की और यह भी कन्फर्म किया कि वह शाहरुख खान के साथ फिल्म पठान में काम कर रही हैं। दीपिका ने कहा, "मैंने तुरंत शकुन बत्रा की फिल्म शुरू कर दी। यह एक ऐसी रिलेशनशिप स्टोरी है, जिसे हमने इंडियन सिनेमा में अब तक नहीं देखी है। इसके बाद एक्शन फिल्म पठान और फिर प्रभास के साथ नाग अश्निवी की बहुभाषी फिल्म में भी काम कर रही हूं।"

दीपिका पादुकोण ने आगे बताया, "मैं एनी हैथवे की फिल्म द इंटर्न में काम कर रही हूं जो इन दिनों के हिसाब से प्रासंगिक है जब नई और पुरानी जनरेशन साथ आ रही है। इसके बाद फेमस स्टोरी महाभारत है जिसमें मैं द्रोपदी का रोल कर रही हूं। मैं इस स्टोरी को दुनिया को बतना चाहती हूं।"

'पठान' से सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करेंगे शाहरुख खान

सुपरस्टार शाहरुख खान इस साल फिल्म पठान से सिल्वर स्क्रीन पर धमाल मचाने जा रहे हैं। इस फिल्म का निर्माण यश राज फिल्म्स के बैनर तले हो रहा है। फिल्म में शाहरुख खान के साथ दीपिका पादुकोण लीड रोल मे नजर आएंगी। हालांकि, शाहरुख और मेकर्स की तरफ से अभी तक फिल्म को लेकर ऑफिशियल घोषणा नहीं की गई है, लेकिन दीपिका ने कन्फर्म कर दिया है कि वह शाहरुख खान के साथ फिल्म पठान में नजर आएंगी।

बताते चलें कि शाहरुख खान की पिछली फिल्म साल 2018 के दिसंबर में हुई थी। फिल्म में शाहरुख के साथ कैटरीना कैफ और अनुष्का शर्मा लीड रोल में थे। हालांकि आनंद एल राय के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी। इसके बाद शाहरुख खान दो साल बड़े पर्दे से दूर रहे। लेकिन अब वह फिल्म पठान से नई शुरूआत करने जा रहे हैं।

वरुण धवन के अंकल की पुष्टि: अनिल धवन बोले- 24 को होगी वरुण की शादी

अभिनेता वरुण धवन के अंकल अनिल धवन ने उनकी और नताशा दलाल की शादी की खबर पर आधिकारिक मोहर लगा दी है। दैनिक भास्कर से खास बातचीत में अनिल ने कहा कि वरुण 24 जनवरी को शादी करेंगे। अनिल के मुताबिक, वे वरुण की शादी का फंक्शन अटेंड करेंगे और अगले ही दिन अपने वेब शो की शूटिंग के लिए रवाना हो जाएंगे।

ज्यादा लोगों को नहीं बुलाया गया

अनिल बताते हैं, मैं शादी अटेंड कर 25 जनवरी को अपने वेब शो की शूटिंग के लिए ग्वालियर रवाना हो जाऊंगा। कोरोना प्रोटोकॉल के चलते शादी में हमने ज्यादा लोगों को नहीं बुलाया है। इसलिए कुछ लोगों को लग रहा है कि शादी नहीं है। लेकिन ऐसा नहीं है। सिर्फ घर के लोगों की मौजूदगी में 24 को पूरे विधि-विधान और रस्मों के साथ शादी होगी। कोरोना माहौल के बेहतर होने के बाद हम इंडस्ट्री के लोगों को पार्टी देंगे।

कोरोना प्रोटोकॉल के चलते रिश्तेदारों को भी नहीं बुलाया

संगीत सेरेमनी जैसे फंक्शन नहीं होंगे

जब अनिल से पूछा गया कि वरुण की शादी में संगीत सेरेमनी जैसे फंक्शन होंगे या नहीं तो उन्होंने कहा, ये कैसे होगा हमने रिश्तेदारों को भी नहीं बुलाया है तो सेलिब्रेशन भला कैसे होगा। वो सब तब करेंगे, जब माहौल बेहतर होगा। हमने तो यही कहा है कि सभी रिवाज कर लो और लड़की को घर ले आओ। फिर कुछ करना।

अनिल ने आगे कहा, हमारा खानदान दिखावे वाली शादी में यकीन नहीं करता कि कोई जयपुर या विदेश में बैंकॉक आदि जाकर डेस्टिनेशन वेडिंग कर आया और फिर मुंबई आकर दोनों मियां-बीवी लड़-मड़ रहे हैं। दूसरी बात यह भी है कि वरुण खुद भी अपकमिंग प्रोजेक्ट्स में काफी बिजी है।

शेरवानी देखकर अजीब-सा लगता है

अनिल ने अपने लिए शेरवानी सिलवाए जाने के सवाल पर कहा, अरे नहीं। शेरवानी देखते ही हमें अजीब-सा लगता है। हम तो पैंट, शर्ट, कोट, सूट, कुर्ता-पायजामे वाले लोग हैं। यह सब भला कौन से जमाने में पहनते थे यार। नवाबों के जमाने में भी कौन पहनता था ये और अगर पहनते भी थे तो हम कौन-से नवाब हैं भाई। हिंदुओं में भला कौन पहनता था। शेरवानी में तो सब कार्टून लगते हैं।

सिर्फ घर के लोग ही होंगे शामिल

अनिल धवन कहते हैं कि शादी में 50-55 लोग ही होंगे, जो घर के सदस्य ही हैं। उन्होंने बताया कि यह शादी अलीबाग से हो रही है। हाल ही में एक इंटरव्यू में वरुण ने भी कहा था कि हो सकता है कि इसी साल या जितनी जल्दी हो सके वे शादी कर लेंगे। वरुण-नताशा पिछले साल मई में शादी करने वाले थे, लेकिन कोरोना वायरस और लॉकडाउन के कारण उन्हें यह टालनी पड़ी।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

न्यूज. ब्रीफ

शोकसभा

मऊरानीपुर (झाँसी) भारतीय जनता पार्टी की शोकसभा नरेन्द्र कुमार दमेले की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी। जिसमें भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वन्दना पाठक बृजेश पाठक (कतोली) की पूज्यनीय माता जी एवं सौरभ पाठक की दादी के आकस्मिक निधन हो जाने पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। साथ ही दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा को शान्ति प्रदान की गयी। इस मौके पर सतीश चन्द्र तिवारी, ओमप्रकाश पोतदार, मनोज मिश्रा, कैलाश राजपूत, देशराज सुल्लेरे, बालकृष्ण गोस्वामी, रफी अहमद बन्ने, अशोक वर्मा, वेदप्रकाश गुप्ता, रिषी दुबे, अनूप गुप्ता, दीपक कुशवाहा, अनुज मिश्रा, अरविन्द्र आर्य, हेमन्त गौतम, भगवानदास कुशवाहा, अखिलेश गुप्ता, जयन्त सिंह बुन्देला, राजेन्द्र सिंह चौहान, चिन्तामन श्रीवास, देवेन्द्र वर्मा, संजू कुशवाहा , कन्हैया लाल भाास्कर, अभिषेक बिरथरे, जितेन्द्र श्रीवास, महेश बरार, रवीकान्त आर्य, राधे नापित आदि लोग उपस्थित रहे। वही देवर्षि समिति की बैठक में बृजेश पाठक कतोली महाराज की माता जी के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। इस बैठक में सुरेन्द्र रिछारिया, कुलदीप तिवारी, रामबाबू तिवारी, अतुल अडजरिया, देशराज सुल्लेरे, रमेश चन्द्र पाठक, जवाहर लाल रिछारिया, सुरेन्द्र अवस्थी, नरेश चतुर्वेदी, श्रीराम अडजरिया, ज्योति भौडले, जयप्रकाश नायक उपस्थित रहे। गणेश दत्त भार्गव ने संचालन किया।

निकट भविष्य कई बड़ी चुनौतियां, जिनसे पार पाना आसान नहीं : कमला हैरिस

वाशिंगटन। अमेरिका की नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने स्वीकार किया कि 20 जनवरी को जो बाइडन के अमेरिका के 46वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेने के बाद सरकार के सामने कई चुनौतियां होंगी और उन सबसे निपटना आसान नहीं होगा। मार्टिन लूथर किंग जूनियर की जयंती पर आयोजित ह्याडे ऑफ सर्विस के मौके पर एनाकोस्टिया में गैर सरकारी संगठन ह्यामार्था टेबल में आयोजित कार्यक्रम में हैरिस ने कहा अभी हमें बहुत सारा काम करना है। उन्होंने आगाह किया कि इन चुनौतियों से निपटना आसान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि हमने पहले भी चर्चा की है। जो बाइडन ने टीकाकरण, कामकाजी लोगों और परिवारों को राहत देने के लिए योजना बताई है। बहुत कुछ करना है।

पद्म विभूषण से सम्मानित डॉ. वी शांता का निधन

नई दिल्ली । अड्यार कैंसर संस्थान की वरिष्ठ ऑन्कोलॉजिस्ट और अध्यक्षा डॉक्टर वी शांता का मंगलवार सुबह निधन हो गया है। वे 93 साल की थीं। उन्हें 2005 में 'रेमन मैग्सेसे पुरस्कार' दिया गया था। वहीं भारत सरकार ने 2015 में उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया था। 'नोबेल पुरस्कार' प्राप्त वैज्ञानिक एस चंद्रशेखर उनके मामा और प्रसिद्ध वैज्ञानिक तथा नोबेल पुरस्कार विजेता सी. वी. रमन उनके नाना के भाई थे। डॉ. शांता के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। सोमवार रात को लगभग नौ बजे सीने में दर्द की शिकायत के बाद डॉ. शांता को निजी अस्पताल ले जाया गया था। कैंसर इंस्टीट्यूट के सूत्रों ने कहा कि मंगलवार तड़के 3.55 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।

पाक ईसीपी ने 154 सांसदों-विधायकों की सदस?यता की निलंबित

इस्लामाबाद । संपति का ब्योरा न देने के मामले में पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग (ईसीपी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 154 सांसदों व प्रांतीय एसेम्बली के विधायकों की सदस्यता निलंबित कर दी। पाकिस्तान के एक अखबार के मुताबिक संपति का ब्योरा न देने कारण निलबित इन सांसदों व विधायकों की सदस्यता तब तक खारिज जब तक वे अपनी पूरी सूचनाएं जमा नही करवा देते। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निर्वाचन आयोग आर्थिक विवरण नहीं देने वाले विधायकों-सांसदों की सदस्यता हर साल निलंबित करता है। पिछले साल भी 300 से ज्यादा जनप्रतिनिधियों ने ब्योरा नही दिया था। पाकिस्तान के कानून के अनुसार जनप्रतिनिधियों को हर साल दिसंबर अंत तक अपने पति-पत्नी व बच्चों का वित्तीय ब्योरा मुहैया कराना अनिवार्य है।

उत्तर भारत में अगले तीन दिनों तक शीतलहर से राहत नही

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

उत्तर भारत में इस समय ठंड से कांप रहा है। मौसम विभाग की मानें तो 22 जनवरी तक हालात ऐसा ही रहेंगा। अभी दिन का तापमान सामान्य से करीब 4 डिग्री नीचे चल रहा है और राजधानी दिल्ली में यह गिरकर 3 डिग्री तक जा सकता है। हालांकि, कोहरे से राहत मिलने के आसार हैं, लेकिन इसके साथ ही उत्तर पश्चिम से ठंडी हवाएं भी उत्तर भारत में दस्तक देंगी, जिसके चलते रात का तापमान और नीचे जाएगा।

मौसम विभाग ने अलर्ट किया है कि अगले 3-4 दिन में दिल्ली का न्यूनतम तापमान 3 डिग्री तक जा सकता है। पिछले कई दिन से दिल्ली-एनसीआर में कोहरे ने परेशान कर दिया है। मंगलवार को सुबह दिल्ली में एक बार फिर घना कोहरे नजर आई। इंडिया गेट के आसपास विजिबिलिटी तकरीबन 200 मीटर दर्ज की

उत्तर प्रदेश के पूर्व और पश्चिमी भाग में पिछले 24 घंटों में हल्का और घना कोहरा होने के कारण सूरज नहीं दिखा। धूप नहीं निकलने से पूरा प्रदेश ठंड की चपेट में है। मौसम विभाग के अनुसार गोरखपुर, मुरादाबाद, आगरा मंडल में दिन के तापमान में थोड़ी बढ़ोतरी हुई लेकिन प्रयागराज, कानपुर, बरेली, झांसी मंडलों में तापमान नीचे गिरा है। प्रदेश में सबसे कम तापमान फुरसतगंज (रायबरेली) में 3.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया वहीं झांसी का अधिकतम तापमान सबसे ऊपर 22.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि प्रदेश में मंगलवार को कोहरा छाया रहेगा और लोगों को ठंड से राहत नहीं मिलेगी।

श्रीराम मंदिर के लिए काम तेज, पहुंचने लगे पत्थर

अयोध्या ■ एजेंसी

अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर निर्माण के लिए नींव की खोदाई के काम में मंगलवार से और तेजी आ गई। कार्यदायी संस्था लार्सन एंड टुब्रो ने नींव की खोदाई को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए पोकलैंड मशीनों की संख्या बढ़ा दी है। अभी तक एक पोकलैंड कार्य कर रही थी, तो मंगलवार से दो पोकलैंड की मदद से नींव की खोदाई आरंभ कर दी गई। मुख्य गर्भगृह में भी नींव खनन का काम चल रहा है। राममंदिर नींव की खोदाई के समानांतर इसमें प्रयुक्त होने वाले पत्थर भी अयोध्या लाये जाने लगे हैं। ये पत्थर मिर्जापुर से लाये जा रहे हैं। इन्हें श्रीराम जन्मभूमि परिसर में रखा जा रहा है। पत्थरों की अभी कई और खेप आनी हैं।

बुधवार को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के पदाधिकारियों के आगमन को लेकर कार्यदायी संस्था पूरी तत्परता बरत रही है और इसी का परिणाम है कि परिसर में मंदिर निर्माण से जुड़ी हलचल बढ़ गयी है। प्रस्तावित मंदिर की जद में आने वाले प्राचीन मंदिरों के अवशेषों को हटाने का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। इसके लिए डंपर और कई ट्रालियां लगी हैं।

अयोध्या में 21-22 जनवरी को होने वाली मंदिर निर्माण समिति की बैठक की तैयारी भी पूरी कर ली गई है। मंगलवार देर रात ट्रस्ट के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र के अयोध्या पहुंचने की उम्मीद है। बुधवार को वह एलएंडटी व टाटा कंपनी के विशेषज्ञों के साथ बैठक करेंगे और परिसर का निरीक्षण करेंगे। इसी बैठक में खोदाई के बाद नींव का निर्माण शुरू होने की प्रक्रिया को हरी झंडी दी जानी है।

दिल्ली में आयोजित पिछली बैठक में नींव की नई डिजाइन पर चर्चा हुई और अनौपचारिक रूप से इसे सदस्यों ने स्वीकार भी कर लिया है। इसी के बाद से नींव की खोदाई का कार्य शुरू हुआ। नींव का निर्माण अब पारंपरिक निर्माण शैली के अनुरूप कंटीन्युअस राफ्ट स्टोन प्रणाली के तहत होगा।

योगी ने बताया केंद्र सरकार का विस्तारन

लखनऊ- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के जरिए गरीब की जिंदगी में बदलाव लाने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच मूर्त रूप ले रही है. मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत उत्तर प्रदेश के 610000 लाभार्थियों के खाते में 2690.77 करोड़ रुपए की धनराशि के डिजिटल ट्रांसफर के अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश के हर गरीब, किसान, मजदूर, महिला, नौजवानों को केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ मिला है. इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी वर्चुअल माध्यम से शिरकत की. योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ने हर गरीब के आवास के सपने को साकार किया है. प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के आवास देश और प्रदेश के हर गांव में निर्मित हो रहे हैं. शहरी क्षेत्रों में भी प्रधानमंत्री आवास योजना (नगरीय) के आवास बनाये जा रहे हैं. इस योजना के माध्यम से गरीब के जीवन में परिवर्तन की प्रधानमंत्री जी की सोच मूर्तरूप ले रही है.

सफारी में चिकन व अंडा बंद, बर्डफ्लू से बचने के इंतजाम

रिपोर्ट अंकित ,अभिषेक

बर्ड फ्लू को देखते हुए सफारी में अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। इसी के चलते सफारी में किसी भी वन्य जीव को चिकन व अंडा नहीं खिलाया जा रहा है। भालुओं की सेहत का ध्यान रखते हुए उन्हें शहद के साथ ताजे फल दिए जा रहे हैं। जबकि शेरों के लिए भैंस का मीट आ रहा है जो टेस्टिंग के बाद उन्हें खिलाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त सफारी में आने जाने वाले पक्षियों पर पूरी नजर रखी जा रही है। अभी तक एक भी पक्षी बर्ड फ्लू से पीड़ित नहीं मिला है और न ही सफारी में आने वाला पक्षी बीमार है।

वर्ड फ्लू जब से शुरु हुआ है तभी से सफारी में सुरक्षा बरती जा रही है। हालांकि सफारी में पक्षियों के लिए कोई बसेरा नहीं है। यहां वन्य जीवों को रखा गया है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में पक्षी सफारी में आते जाते रहते हैं। जहां किसी भी समय मोरों को नृत्य करते हुए देखा जा सकता है। गौरैया जैसी विलुप्त हो रही चिड़िया भी सफारी में पाई जाती है। इसके चलते इन सभी का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। सफारी में जो वन्य जीव हैं उनकी सेहत को देखते हुए उनके खानपान का भी खास ख्याल रखा गया है। सफारी के डायरेक्टर राजीव मिश्रा ने बताया कि बर्ड फ्लू को देखते हुए सफारी के किसी भी वन्य जीव को चिकन व अंडा अब नहीं दिया जा रहा है। शेरों के लिए जो मीट आता है वह टेस्टिंग के बाद आता है और सफारी में भी टेस्टिंग के बाद ही उसे शेरों को परोसा जाता है। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही सर्दी से बचाने के लिए भी पूरे इंतजाम किए गए हैं। शेरों के ब्रीडिंग सेंटर में बड़े-बड़े हीटर लगाए गए हैं। ज्यादा सर्दी में शेरों को बाहर भी नहीं निकाला जाता है। धूप निकलने पर ही वन्य जीवों को बाहर निकालने की व्यवस्था की गई है।

मनरेगा योजना के नए कार्य की शुरुआत की गई

रानी पाली नेनाराम सिरवी। सोजत पंचायत समिति के ग्राम पंचायत सुरायता सरपंच प्रेम सीरवी द्वारा मनरेगा कार्य स्थल पर पहुंचकर नए कार्य शुरू करने को लेकर पूजा अर्चना करके कार्य की शुरुआत की गई। सीरवी के कार्यकाल के दौरान पूरा काम पूरा दाम को लेकर चल रहे कार्य स्थल पर पहुंचकर नए कार्य परम करने को लेकर शुरुआत की गई। सफलतम 1 वर्ष के दौर को लेकर अपने कार्यकाल के दौरान विकास की योजना के कई कार्य शुरू कर के कार्य पूरे किए गए।स्वस्थ भारत मिशन ग्रामीण के तहत चलाए गए अभियान के तहत अनोखी मिसाल पेश की गई जिसमें सार्वजनिक एवं मुख्य चौराहे गली मोहल्ले में साफ सफाई का कार्य पूरा करवाया गया। प्रेम सिरवी द्वारा मनरेगा श्रमिकों को पूरा काम पूरा दाम के तहत जानकारी भी दी गई.

दीवान माधवसिंह के जन्मदिन पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया

नारायणलाल सैणचा

पाली। अटबड़ा सीरवी नवयुवक मण्डल अटबड़ा के तत्वावधान में सीरवी समाज के धर्मगुरू दीवान माधवसिह के 79वे जन्म दिन के उपलक्ष मे,रविवार दिनाँक 17/01/2021, को स्थानीय श्री आईमाताजी के बढ़ेर स्थित मंदिर में विशाल रक्तदान शिविर ओर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया! इस दौरान जोधपुर से पहुंची रक्त संग्रहण टीम को 54 यूनिट जबकि, पाली ब्लड बैंक को 47 यूनिट रक्तदान उपलब्ध करवाया गया, नवयुवकों द्वारा आयोजित इस मानव हितार्थ शिविर में प्रत्येक रक्तदाता को स्मृति चिन्ह ओर रक्तदाता का प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया! कार्यक्रम की शुरुवात में, धर्म गुरु दीवान साहब का केक काटकर जन्मदिन मनाया गया! कार्यक्रम के मुख्य अतिथि , दीवान माधव सिंह सहित ,पूर्व आई जी पुखराज सीरवी ओर जोधपुर विद्युत वितरण मुख्य अभियंता गोपाराम सीरवी ने की! समस्त सीरवी समाज अटबड़ा ने इस पुनीत कार्य मे बढ़ चढ़कर सहयोग प्रदान किया!

अटबड़ा में प्रथम बार आयोजित स्वास्थ्य शिविर में डॉ नवीन सीरवी , असिस्टेंट प्रोफेसर, न्यूरो फिजिशियन जोधपुर, डॉ मनोहर सीरवी, इन टी विशेषज्ञ, डॉ रमेश सीरवी,असिस्टेंट प्रोफेसर जोधपुर, डॉ दिनेश सोलंकी कनिष्ठ विशेषज्ञ सर्जरी,ट्रोमा सेंटर बिलाड़ा

डॉ नरेंद्र सीरवी फिजिशियन, जोधपुर-डॉ प्रेममनोहर सीरवी , ऑर्थोपेडिक्स, जैतारण, डॉ मांगीलाल सीरवी, इंचार्ज, ब्लड बैंक, पाली , डॉ प्रकाश सीरवी, ब्लड बैंक, जोधपुर, डॉ ओमप्रकाश सीरवी, रेडियो डाइग्नोसिस, अजमेर, डॉ विजेश सीरवी, चिकित्सा अधिकारी, सोजत रोड़, आदि सहित सह चिकित्सा स्टाफ़ ने भी अपनी सेवाएं दी इस पुनीत सामाजिक आयोजन की सफलता पर,आयोजक नवयुवक मंडल टीम को कार्यक्रम में उपस्थित सभी मेहमानों ने बधाई और बहुत बहुत साधुवाद ज्ञापित किया ! नवयुवक मंडल अध्यक्ष बाबूलाल आगलेचा ने सभी रक्तदान दाताओ का आभार प्रकट किया! इस अवसर पर कोटवाल मोहनलाल सीरवी ,जमादारी पंचों सहित सीरवी समाज अटबड़ा के समस्त मौजिज सदस्य उपस्थित रहे!

पाकिस्तान में मंदिर को नुकसान पहुंचाने पर बढ़ाई गई सुरक्षा

पेशावर ■ एजेंसी

पाकिस्तान में मंदिर तोड़ने का मामला पिछले दिनों सुर्खियों में आने के बाद यहां मंदिरों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के एबटाबाद स्थित एक मंदिर को नुकसान पहुंचाने की कट्टरपंथी कोशिश कर रहे थे। मंदिर तोड़े जाने की आशंका अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के नेताओं ने की थी। शिकायत के बाद मंदिर पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। इस मंदिर की जमीन पर माफियाओं की भी नजर थी। अधिकारियों के अनुसार अब इस जमीन की लीज न तो परिवर्तित होगी और न ही इस बेचा जा सकेगा। भविष्य में इसका कामर्शियल उपयोग करने पर भी रोक लगा दी गई है।

दिसंबर महीने में खैबर पख्तूनख्वा के करक जिले के टेरी गांव में बने एक मंदिर पर कट्टरपंथी उपद्रवियों के साढ़े तीन सौ से ज्यादा लोगों की भीड़ ने हमला कर दिया था। इन लोगों ने मंदिर को हानि पहुंचाने के साथ ही परिसर में बनी संत की समाधि का भी अपमान किया था। मंदिर को विस्तार देने की योजना पर कार्य चल रहा था, तब इलाके के कट्टरपंथी मुस्लिम भड़क गए और उन्होंने एकत्रित होकर मंदिर पर हमला कर दिया।

टेरी गांव में तो ज्यादा संख्या में हिंदू नहीं रहते हैं लेकिन आसपास के इलाकों में रहने वाले हिंदू बड़ी संख्या में इस प्राचीन मंदिर में दर्शन को आते थे। साल 1997 में भी इस मंदिर पर कट्टरपंथियों द्वारा हमला किया गया था और उसे नुकसान पहुंचाया था, लेकिन बाद में इसका पुनर्निर्माण कराया गया था। उसके बाद एक और मंदिर पर हमले का प्रयास किया गया था।

किसान काँग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष मिले मृतक के परिजनों से बँधाया ढाँढस, दिया मदद का आश्वासन

मऊरानीपुर (झाँसी) तहसील क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले ग्राम भदरवारा में विगत दिनों में खेत में पानी लगाते समय युवा किसान चन्द्रशेखर पुत्र कालीचरन अहिरवार अचानक कोई जहरीले कीडे के खेत पर काटने के कारण मौत हो गयी थी। आज उत्तर प्रदेश किसान काँग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष शिवनारायण सिंह परिहार ने दुखी परिजनों के पास जाकर ढांढस बँधाया। सांत्वना दी और हर सम्भव मदद का आश्वासन दिया और मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश से दुखी परिवार को पाँच लाख रुपये की आर्थिक मदद की माँग की । असमय युवा किसान चन्द्रशेखर की मौत से पूरा परिवार में शोकाकुल है। जिसकी चार वर्ष पहले उसकी शादी आशा देवी से हुई उसके दो छोटे बच्चे एक तीन साल का है। और एक लगभग डेढ साल का है। उसके पिता के पास

लगभग डेढ बीघा का काशतकार है। वह बटिया की जमीन को लेकर अपने परिवार के लिये दो क्क्त की रोटी का इंतजााम करता है। और उसके बच्चे अपने परिवार का भरण पोषण करने के लिये दिल्ली मजदूरी करने जाते है। लेकिन कोरोना काल के बाद से उनके बच्चे दिल्ली मजदूरी करने नही गये वह अपने पिताजी के साथ खेती करने लगा लेकिन अचानक हुई घटना ने पूरे परिवार को तहस नहस कर दिया और अपने छोटे मासूम बच्चों को रोता बिलखता छोड गये अब उसकी पत्नी और माँ बाप पर दुखों का पहाड टूट पडा है। कैसे अब उनके छोटे -छोटे बच्चों की परवरिश होगी अब उनके परिवार का शासन प्रशासन से उम्मीद टिकी है। कि वह इस युवा किसान के परिवार के भरण पोषण के लिये समय से आर्थिक मदद उपलब्ध कराये। ताकि वह अपने बच्चों की अच्छी परवरिश कर सके। इस मौके पर अजय पाल सिंह परिहार, शेखर राज बडौनिया, रामाधार निषाद, प्यारे लाल बेधडक, कैलाश अहिरवार, कृष्णकान्त सोनी आदि लोग उपस्थित रहे

नेत्र परीक्षण कैम्प 25 को

मऊरानीपुर (झाँसी) श्री हजारेश्वर मन्दिर में विकास खण्ड के पास विशाल निःशुल्क नेत्र परीक्षण कैम्प 25 फरवरी 2020 सोमवार को लगाया जा रहा है। जिसमें सदुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट से आकर अनुभवी डॉक्टर निःशुल्क जाँच करेगें। जिन लोगों को मोतियाबिन्द पाया जायेगा। उन्हें रिर्जव बस से चित्रकूट ऑपरेशन के लिये भेजा जायेगा। दवा, चश्मा सभी सुविधायें निःशुल्क होगी। उक्त जानकारी नेत्र परीक्षण केन्द्र प्रभारी भगवत नारायण मोर ने दी।

ऊँचाई से महिला फिसली

मऊरानीपुर (झाँसी) ऊँचाई से महिला फिसल गयी। प्राप्त विवरण में लाडकुंवर (35) पुत्र हरदयाल कुशवाहा निवासी हरपालपुर को प्राथमिक उपचार के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया। हालत में सुधार न होने पर झाँसी रिफर कर दिया गया।

काँग्रेस नेत्री मीना आर्य ने पीडितों को दी मदद, किये कम्बल वितरण

मऊरानीपुर (झाँसी) काँग्रेस की विधानसभा संभावित प्रत्याशी श्रीमती मीना आर्य मुहल्ला कुरैचा नाका एक्सीडेन्ट में मृतक के परिजनों एवं घायलों के परिजनों से मिली, काँग्रेस नेत्री द्वारा मृतक के परिजनों को नगद राशि दी गई। वही कम्बल वितरण भी किये गये साथ ही अन्य नईबस्ती में भी कम्बल वितरित किये गये। प्रत्येक परिवारों के अतिरिक्त विधवा , विकलांग एवं वृद्धजनों को कम्बल वितरित किये गये। उक्त कम्बल वितरण समारोह काँग्रेस के वरिष्ठ नेता इस्माईल खां के निवास पर वितरण किये गये। उक्त अवसर पर पूर्व नगर अध्यक्ष जलालउद्दीन निजामी, मनोज चतुर्वेदी, सुमन कुशवाहा, शंकर कुशवाहा, मुहम्मद मुस्तफा पार्षद, पूर्व पार्षद अयूब खान, सतीश श्रीवास्तव, ताहिर , रऊफराईन, सीताराम झा के अतिरिक्त अनेक काँग्रेसी उपस्थित रहे।

मैन ऑफ द मैच पंत बोले- सोचता था इंडिया के लिए जीतना है, आज हो गया

ब्रिस्बेन में कमाल
कंगारूओं को उनके ही घर में हराया
70 साल का रिकॉर्ड ध्वस्त

गाबा ■ एजेंसी

ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर नाबाद 89 रनों (138 गेंदों में) की पारी खेल भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाने वाले युवा बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा है कि यह उनके जीवन का सबसे बड़ा पल है। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के सामने 328 रनों का लक्ष्य रखा थी। टीम इंडिया ने मैच के अंतिम दिन मंगलवार को 7 विकेट खोकर हासिल कर लिया। पंत को उनकी बेहतरीन पारी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया।

पंत ने मैच के बाद कहा, यह मेरे जीवन का अब तक सबसे बड़ा पल है। मैं इस बात से खुश हूं कि सपोर्ट स्टाफ और मेरी टीम के सभी साथियों ने तब मेरा साथ दिया, जब मैं खेल नहीं रहा था। यह सपने जैसी सीरीज रही है। 23 साल के पंत ने कहा, टीम प्रबंधन ने हमेशा मेरा साथ दिया और हमेशा कहा कि आप मैच विजेता खिलाड़ी हो और आपको टीम के लिए मैच जीतने हैं। मैं हर दिन सोचता था कि मुझे भारत के लिए मैच जीतने हैं और यह मैंने आज किया। भारत ने इस जीत के साथ चार मैचों की टेस्ट सीरीज 2-1 से अपने नाम करते हुए बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी अपने पास ही रखी है। टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया में इतिहास रच दिया, वो भी ऐसे समय जब फिटनेस एक अहम मुद्दा था।

सीरीज में चोटिल खिलाड़ियों की कतार लंबी होती जा रही थी, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों के संकल्प पूर्ण प्रदर्शन ने ऑस्ट्रेलिया पर ऐसी जीत दिलाई, जिसे वर्षों याद रखा जाएगा। टीम इंडिया ने न सिर्फ ब्रिस्बेन में 33 साल से अजेय चल रही ऑस्ट्रेलिया का विजय रथ रोका, बल्कि यहां सफलतापूर्वक सर्वोच्च लक्ष्य का पीछा किया। इससे पहले गाबा पर चौथी पारी में सर्वोच्च लक्ष्य का पीछा करके जीत 1951 में वेस्टइंडीज ने हासिल की थी, जब उसने 236 रन बनाए थे।

रहाणे ने जीत को अहम बताया

गाबा के मैदान पर टीम इंडिया को मिली शानदार जीत से उत्साहित कार्यवाहक कप्तान रविन्द्र जडेजा ने कहा है कि मुझे प्रत्येक खिलाड़ी पर मुझे गर्व है। मैच जीतने के बाद रहाणे ने कहा, ये जीत हमारे लिए बहुत मायने रखती है।

मुझे नहीं पता कि इसका वर्णन कैसे करना है, लेकिन हमारे लड़कों ने एडिलेड टेस्ट के बाद बहुत अधिक चरित्र और दृढ़ संकल्प दिखाया। इसलिए प्रत्येक खिलाड़ी पर मुझे गर्व है। पुजारा और मेरे बीच बातचीत यह थी कि वह सामान्य बल्लेबाजी करेंगे और मैं आक्रमण करुंगा। पुजारा को श्रेय, जिस तरह से उन्होंने दबाव को संभाला वह शानदार था। वहीं ऋषभ और वाशिंगटन सुंदर ने अंत में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। साथ ही कहा कि मैच जीतने के लिए 20 विकेट लेना प्रमुख था, इसलिए हमने पांच गेंदबाजों को शामिल किया।

गाबा में सबसे ज्यादा कैच पकड़ने वाले खिलाड़ियों में रोहित शामिल

ब्रिसबेन। भारतीय टीम के उपकप्तान रोहित शर्मा ने यहां के गाबा मैदान में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। रोहित ने यहा ऑस्ट्रेलिया की पहली और दूसरी पारी में कुल मिलाकर 5 कैच पकड़े हैं और इस प्रकार वह यहां सबसे अधिक कैच पकड़ने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गये हैं। ब्रिसबेन टेस्ट में रोहित ने 5वां कैच पकड़ते ही गाबा के मैदान में सबसे ज्यादा कैच पकड़ने वाले खिलाड़ियों की सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया। रोहित इस मैदान पर सबसे ज्यादा कैच पकड़ने वाले खिलाड़ियों की सूची मे संयुक्त रुप से दूसरे स्थान पर आ गए हैं। रोहित ने शार्दुल ठाकुर की गेंद पर ग्रीन का कैच पकड़ मैच का 5वां कैच लिया।

ब्रिस्बेन टेस्ट में कैच

- 6 – स्टीफन फ्लेमिंग ऑस्ट्रेलिया बनाम न्यूजीलैंड 1997
- 5 – रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत
- 5 – सैम लॉक्सटन ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड 1950
- 5 – मार्क टेलर ऑस्ट्रेलिया बनाम न्यूजीलैंड

सोशल मीडिया पर बने फनी मीम्स...टीम इंडिया के प्रशंसक गदगद ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों का खूब मजाक उड़ाया

मुंबई ब्रिस्बेन टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को तीन विकेट से हराकर युवा टीम इंडिया ने इतिहास रच दिया। भारत की शानदार जीत के बाद सोशल मीडिया पर टीम इंडिया के प्रशंसक बेहद खुश हैं, और अब टीम इंडिया ट्विटर पर ट्रेंड कर रही है।

टीम इंडिया की अंतिम टेस्ट में रोमांचक जीत पर सोशल मीडिया भी गदगद होकर खुशी में खूब फनी मीम्स शेयर कर रहे हैं। खासतौर पर लोग ऋषभ पंत की बल्लेबाजी की खूब तारीफ कर रहे हैं।

एक ट्विटर यूजर ने फिल्म शोले का एक सीन शेयर करते हुए लिखा है कि अपना लड़का तो हीरा है हीरा।

एक क्रिकेट प्रशंसक ने बल्लेबाजी का मीम्स

शेयर करते हुए दिखाया कि कैसे पुजारा पिच पर विकेट के आगे पहाड़ की तरह खड़े हो गए हैं। टीम इंडिया को दूसरी पारी में अंतिम टेस्ट जीतने के लिए 328 रनों की जरूरत थी, तब चेतश्वर पुजारा कंगारुओं के सामने दीवार बनकर खड़े हो गए। चौथी पारी में बल्लेबाजी में मुश्किल के बाद भी पुजारा टिके रहे। उन्होंने भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचाया और 211 गेंदों पर 56 रनों की शानदार पारी खेली। फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर की तस्वीर को शेयर करते हुए ट्विटर यूजर ने लिखा पूरा इलाका धुआं धुआं हो गया।

टीम इंडिया के शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय दर्शक गदगद होकर सोशल मीडिया पर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों का खूब मजाक उड़ाया। बता दें की मैच खत्म होने के बाद टीम इंडिया के सभी खिलाड़ियों ने ऐतिहासिक जीत के बाद हाथ में तिरंगा लेकर पूरे स्टेडियम का चक्कर लगाया।

विराट, गांगुली, सचिन और सहवाग ने दी टीम को बधाई

गाबा के मैदान पर टीम इंडिया को ऐतिहासिक जीत के बाद उसे मिलनी वाली बधाईयों का सिलसिला जारी है। भारतीय टीम को कप्तान विराट कोहली के अलावा, बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली और महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के अलावा पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग ने भी बधाई दी है। कोहली ने ट्वीट कर लिखा, क्या शानदार जीत है। उन सभी के लिए जिन्होंने एडिलेड टेस्ट के बाद हमारी क्षमता पर संदेह किया था, खड़े होकर देखिए। साथ ही कहा कि इस इस ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाइए, वहीं सचिन ने कहा टीम इंडिया को बॉर्डर-गावसकर ट्रॉफी रिटेन करने पर बधाई गांगुली बोले-क्या कमाल की जीत है इस जीत को कभी नहीं भूला पाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कई यादगार पारियां खेलने वाले पूर्व बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने शुभमन गिल और ऋषभ पंत जैसे युवा खिलाड़ियों के साथ कप्तान अजिंक्य रहाणे की भी तारीफ की। उन्होंने ट्वीट किया, श्रृंखला में टीम इंडिया की लिए ऐतिहासिक जीत। गिल और ऋषभ जैसे युवाओं ने तब प्रदर्शन किया जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। रवि शास्त्री और सहयोगी स्टाफ की मेहनत को मेरा सलाम। इस टीम पर गर्व है, ऐसे लंबे समय में एक बार होता है।

वहीं अपने टवीट के जरिये चीजों को मजाकिया अंदाज में लिखने के लिए जाने जाने वाले पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग ने एक ट्रक के फोटो के साथ लिखा, खुशी के मारे पागल। यह नया भारत है। घर में घुसकर मारता है। एडीलेड में जो हुआ उसके बाद इन युवाओं ने हमें जीवन भर आनंद दिया है। हम विश्व कप जीते हैं लेकिन यह विशेष है। यही कारण है कि ऋषभ काफी खास है।

वहीं इस श्रृंखला से पहले भारत की 4-0 से हार की भविष्यवाणी करने वाले इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वान ने ट्वीट किया, टेस्ट में सर्वकालिक महान जीत। भारत ने शानदार प्रदर्शन किया। आपने अगले साल होने वाली एशेज श्रृंखला के लिए इंग्लैंड को रास्ता दिखा दिया।

शुभमन ने गावस्कर का रिकार्ड तोड़ा

बिसबेन भारतीय टीम इंडिया के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रिसबेन टेस्ट के आखिरी दिन अर्धशतक लगाने के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। इसी के साथ ही शुभमन सबसे कम उम्र में भारत की ओर से टेस्ट क्रिकेट की चौथी पारी में 50 से अधिक स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं और उन्होंने इस मामले में गावस्कर को पीछे छोड़ दिया है। शुभमन ने 21 साल, 133 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की। इसी के साथ ही शुभमन ने गावस्कर का 50 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। वहीं बात अगर गावस्कर की करें तो उन्होंने 21 साल, 243 दिन की उम्र में ऐसा किया था। गावस्कर ने साल 1970-71 में वेस्टइंडीज के खिलाफ पोर्ट ऑफ स्पेन में खेले गए अपने डेब्यू टेस्ट में चौथी पारी में नाबाद 67 रन बनाये थे।

ऋषभ पंत ने धोनी का रिकार्ड तोड़ा

भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने यहां अंतिम टेस्ट में शानदार बल्लेबाजी करते हुए पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का एक रिकार्ड तोड़ दिया। ऋषभ टेस्ट में सबसे तेज 1000 रन पूरे करने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले यह रिकार्ड धोनी के नाम था। ऋषभ ने तेज गेंदबाज पेट कमिंस की गेंद पर चौक लगाकर ये रिकार्ड अपने नाम किया और केवल 27 पारियों में टेस्ट में 1000 रन पूरे करने वाले सबसे तेज भारतीय विकेटकीपर बन गए। वहीं धोनी ने 32 पारियों में सबसे तेजी से एक हजार रन बनाये थे।

टेस्ट में सबसे तेज एक हजार रन बनाने वाले भारतीय विकेटकीपर

- 27 ऋषभ पंत *
- 32 एमएस धोनी
- 36 फारुख इंजीनियर
- 37 रिद्धिमान साहा
- 39 नयन मोंगिया

भारतीय टीम को कम आंकना भूल थी : लैंगर

ऑस्ट्रेलियाई कोच जस्टिन लैंगर ने भारतीय टीम के हाथों मिली हार पर कहा है हमें उन्हें कम नहीं आंकना चाहिये था। भारत ने गाबा में जीत के साथ ही टेस्ट श्रृंखला 2-1 से जीती है। लैंगर ने कहा, यह शानदार टेस्ट श्रृंखला रही। अंत में आखिरकार एक टीम हारती है और एक जीतती है पर आज हुए रोमांचक खेल से टेस्ट क्रिकेट जीता है हालाकि हमें यह हार लंबे समय तक खलेगी। भारत को इस जीत का पूरा श्रेय जाता है। हमने इससे सबक सीखा है। उन्होंने कहा, पहली बात कि कभी किसी चीज को हलके में नही लेना और दूसरा यह कि भारतीयों को कभी कम नही आंकना। हमें समझना चाहिये कि भारत की आबादी डेढ अरब है और अगर आप उसकी अंतिम एकादश में है तो वाकई काफी बेहतर और मजबूत खिलाड़ी होंगे। लैंगर ने कहा कि एडीलेड में 36 रन पर आउट होने के बाद भारत की वापसी शानदार थी।

टोटल की अडानी ग्रीन एनर्जी में 20 फीसदी इक्विटी हिस्सेदारी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दिग्गज कारोबारी गौतम अडानी की अगुवाई वाले अडानी समूह ने कहा कि वैश्विक ऊर्जा कंपनी टोटल ने अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड में 20 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी हासिल की है। अडानी समूह ने कहा कि अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) में अडानी प्रवर्तक समूह के शेयरों के अधिग्रहण के जरिए टोटल ने 20 प्रतिशत अल्पांश हिस्सेदारी खरीदी है। यह सौदा 2.5 अरब डॉलर में हुआ है। यह फ्रांसीसी कंपनी टोटल और अडानी ग्रीन की किसी कंपनी के बीच दूसरी पार्टनरशिप है। साल 2018 में टोटल ने अडानी गैस लिमिटेड में 37.4 फीसदी और धर्मा एलएनजी प्रोजेक्ट में 50 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी थी। एजीईएल में निवेश अडानी समूह और टोटल द्वारा रणनीतिक गठजोड़ की दिशा में एक और कदम है। अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी ने कहा, हम 2030 तक 450 गीगावाट अक्षय ऊर्जा के भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए मिलकर काम करने को तैयार हैं।

रिलायंस का मार्केट कैप फिर 13 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली। दो दिन की गिरावट के बाद शेयर बाजार मंगलवार को तेजी से साथ खुले। इसमें देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की अहम भूमिका रही। कंपनी के शेयरों में मंगलवार को 2 फीसदी से अधिक की उछाल आया और यह 2026 रुपये पर पहुंच गया। इसके पहले सोमवार को इसमें 2.4 फीसदी की तेजी आई थी। इस तरह दो सत्र में रिलायंस का शेयर करीब 5 फीसदी चढ़ चुका है। शेयरों में तेजी के साथ रिलायंस का मार्केट कैप एक बार फिर 13 लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच गया है।

शेयर बाजार में भारी उछाल

सेंसेक्स 834, निफ्टी 239 अंक ऊपर आया

मुंबई। मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में यह उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में आये उछाल के साथ आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 834.02 अंक करीब 1.72 फीसदी ऊपर आकर 49,398.29 अंक पर जबकि एनएसई निफ्टी 239.85 अंक तकरीबन 1.68 प्रतिशत बढ़कर 14,521.15 अंक पर बंद हुआ। इस दौरान एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में अच्छी खासी बढ़त दिखी। बजाज फिनसर्व सबसे अधिक करीब 7 फीसदी बढ़ा। इसके बाद बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी, लार्सन एण्ड टुब्रो, आईसीआईसीआई बैंक, सन फार्मा और एनटीपीसी के शेयरों में भी बढ़त देखी गयी। वहीं इसके विपरीत टेक महिन्द्रा, आईटीसी और महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा के शेयरों में गिरावट आई है। जानकारों के अनुसार पिछले दो कारोबारी सत्रों में जबर्दस्त गिरावट के बाद यह बढ़त घरेलू शेयर बाजारों में मुख्य तौर पर वैश्विक बाजारों से बेहतर संकेत के कारण आई है। इसके साथ ही ह्राजेनेट येलेन की ओर से अर्थव्यवस्था को मजबूत समर्थन देने की संभावना जैसा सकारात्मक बयान दिये जाने से दुनियाभर में निवेशकों का विश्वास मजबूत हुआ है। अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडेन ने फेडरल रिजर्व के पूर्व प्रमुख जानेट येलेन को वित्त मंत्री के लिये नामांकित किया है।

एंजेल ब्रोकिंग ने लांच किया इन्वेस्टर एजुकेशन प्लेटफॉर्म 'स्मार्ट मनी'

नई दिल्ली ■ एजेंसी

एंजेल ब्रोकिंग ने अपनी तरह का पहला इन्वेस्टर एजुकेशन प्लेटफॉर्म स्मार्टमनी लांच किया है। यह प्लेटफॉर्म अपने यूजर्स के लिए पर्सनलाइज्ड मॉड्यूल, वर्कशॉप्स, सर्टिफिकेशन, लाइव सेशन और क्विज के साथ खुद सीखने का अवसर देता है। स्मार्ट मनी सीखने को मजेदार बनाने के नजरिये से बना है और इसका इस्तेमाल कोई भी कर सकता है। यह हिंदी और अंग्रेजी दोनों में उपलब्ध है।आप तीन-स्टेप वाली सरल साइन-अप प्रक्रिया के बाद प्लेटफॉर्म पर खुद को नामांकित कर सकते हैं। बस एक-टैप रजिस्ट्रेशन (गूगल या फेसबुक के जरिए) करें और अपने फोकस क्षेत्रों और लक्ष्यों को परिभाषित करें। स्मार्ट मनी प्लेटफॉर्म फिर आपकी प्रवीणता और जरूरतों के अनुसार पाठ्यक्रम शुरू करेगा। एंजेल ब्रोकिंग आपको अपने मित्रों और परिवार के बीच प्लेटफॉर्म को रैफर कर दिलचस्प पुरस्कार हासिल करने में सक्षम बनाता है।

अजय का पंजा, डीएनएन की आसान जीत

आज का मैच

दैनिक जागरण बनाम टाइम्स ऑफ इंडिया, सुबह 8.30 बजे से

भोपाल। डीएनएन ने द मैग्जिन को 67 रनों से हराकर 26वें आईईएस यूनिवर्सिटी -डिजिआना इंटर प्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट में आसान जीत दर्ज की है। ओल्ड कैंपियन मैदान पर पहले बल्लेबाजी करते हुए डीएनएन ने पांच विकेट पर 180 रन बनाए। जवाब में द मैग्जिन की टीम 16.5 ओवर में 115 रन बना सकी। अजय ने चार विकेट लिए। वह मैन ऑफ द मैच रहे। उन्हें आईईएस यूनिवर्सिटी के वाइस प्रिंसिपल डा. धीरेंद्र गुप्ता और डिजिआना ग्रुप के कृष्ण मोहन झा ने पुरस्कृत किया। इंटर अकादमी मुकाबले में मयंक क्रिकेट अकादमी ने अंकुर अकादमी को छह विकेट से हराया। अंकुर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 139 रन बनाए। इसमें निखिल निगोटे ने 39, प्रख्यता पासी ने 26, राहुल बाथम ने 27 और प्रद्युम्न ने न बनाए।

मयंक की ओर प्रारब्ध मिश्रा ने 3 विकेट लिए। आदित्य, अरबाज और शिवांश चतुर्वेदी को एक-एक विकेट मिले। जवाब में मयंक अकादमी ने जरूरी रन चार विकेट पर बना लिए। समय श्रीवास्त को दो विकेट मिले। प्रारब्ध मैन ऑफ द मैच रहे।

क्रिकेट प्रतिभाओं को तराशेगा एमसीसीए

भोपाल। मयंक चतुर्वेदी क्रिकेट अकादमी (एमसीसीए) राजधानी के क्रिकेट प्रतिभाओं को तराशने जा रहा है। इसके लिए एमसीसीए द्वारा ओल्ड कैम्पीयन खेल मैदान ए-3 अरेरा कालोनी भोपाल पर प्रतिभा खोज चयन ट्रायल का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन 30 और 31 जनवरी को प्रातः 10 बजे से किया गया है। इस प्रतिभा खोज चयन ट्रायल के अन्तर्गत खिलाड़ियों को विभिन्न आयु वर्ग मैं उनकी प्रतिभा निखारने के लिए अंडर-12, अंडर-14, अंडर-18 और अंडर-23 आयु वर्ग के खिलाड़ियों को चयनित कर निःशुल्क क्रिकेट प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। एमपीसीए के सचिव डॉ. सुशील सिंह ठाकुर के मुताबिक चयन ट्रायल में शामिल होने के लिए खिलाड़ियों को आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र के रूप में मार्क शीट या जन्म तिथि सम्बंधी दस्तावेज लाना अनिवार्य है।

उपलब्धि — नेशनल शूटिंग ट्रायल में भागीदारी कर लौटे खिलाड़ियों ने खेल मंत्री से की भेंट

वर्ल्ड कप में निशाना साधेंगी मनीषा-नीरू

नई दिल्ली ■ एजेंसी

मप्र राज्य शूटिंग अकादमी की प्रतिभावान खिलाड़ी बेटियां मनीषा कीर और नीरू ढांडा आगामी आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। दिल्ली में हाल ही में सम्पन्न नेशनल शूटिंग ट्रायल में दोनों खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया और चयनित टॉप-5 शॉटगन खिलाड़ियों में जगह बनाई। मनीषा कीर 109.62 राष्ट्रीय रैंकिंग के साथ तीसरे और नीरू ढांडा 106.08 स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रही। उल्लेखनीय है कि फरवरी में कायरो, मार्च में भारत और अप्रैल 2021 में कोरिया में आईएसएसएफ वर्ल्ड कप का आयोजन होना है। दिल्ली में आयोजित प्रथम और द्वितीय ट्रायल के बाद एनआरएआई द्वारा जारी राष्ट्रीय रैंकिंग में शूटिंग अकादमी के खिलाड़ी आकाश कुशवाह ने ट्रैप इवेन्ट जूनियर में दूसरा तथा अर्जुन ठाकुर ने स्कीट इवेन्ट और प्रीति रजक ने ट्रैप इवेन्ट में चौथा स्थान प्राप्त किया। अकादमी के स्टार रायफल खिलाड़ी ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर .22 थ्री पोजिशन इवेन्ट में 11.76 एवरेज स्कोर के साथ देश में पहले स्थान पर हैं।

परचम फहरा रही है मध्यप्रदेश की बेटियां

नेशनल शूटिंग ट्रायल में भागीदारी कर भोपाल लौटे खिलाडियो ने टीटी नगर स्टेडियम में खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया से भेंट की और उन्हें अपनी उपलब्धि से अवगत कराया। खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने दिल्ली मे आयोजित ट्रायल मे अकादमी के खिलाड़ियों द्वारा किए गए शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए शाबाशी दी। उन्होंने कहा कि हमारी बेटियां अपने शानदार प्रदर्शन से प्रदेश का परचम फहरा रही हैं, जिन पर हमें गर्व है। संचालक खेल पवन जैन ने विभागीय उपलब्धियों से खेल मंत्री को अवगत कराया। इस अवसर पर संयुक्त संचालक खेल डॉ. विनोद प्रधान एवं बीएस यादव, सहायक प्रशिक्षक शॉटगन इन्द्रजीत सिकंदर उपस्थित थे।

एक नजर...

मुख्यमंत्री श्री चौहान 24 को करेंगे पंख अभियान का शुभारंभ

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 24 जनवरी अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजनांतर्गत पंख अभियान का शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान वर्चुअल माध्यम से 435 आँगनवाड़ी और 12 वन स्टॉप सेंटर का लोकार्पण भी करेंगे। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना और मातृ वंदना योजना के हितग्राहियों को राशि का अंतरण करने के साथ लाड़ली लक्ष्मी योजना से लाभान्वित बालिकाओं से संवाद भी करेंगे। साथ ही ग्राम स्तर पर सामुदायिक पहल एवं जिम्मेदारी के साथ किशोरियों के विकास के लिये जागरूक करना है। अभियान के तहत शिक्षा, सामाजिक कल्याण, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, विभाग द्वारा किशोरियों के स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा को सुनिश्चित किया जायेगा। इसके तहत डाटाबेस तैयार कर उनके विकास की मॉनीटरिंग की जायेगी। पुलिस विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर किशोरियों को उनकी रुचि अनुसार आत्मरक्षा का प्रशिक्षण और पंचायत स्तर पर वोकेशनल ट्रेनिंग भी दी जायेगी। उल्लेखनीय है कि नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के अनुसार प्रदेश में जन्म के समय लिंगानुपात एक हजार बालक पर 927 बालिका है, 15-49 वर्ष की महिलाओं में शिक्षा का स्तर 59.4 प्रतिशत एवं एनीमिया 52.5 प्रतिशत है। किशोरावस्था के समय यह जरूरी है कि उनकी जीवन-शैली एवं सपनों को सही ज्ञान एवं व्यवहारिक रूप दिया जाये। इसी तारतम्य में मध्यप्रदेश द्वारा नई पहल की शुरूआत की जा रही है, जो किशोरियों के बहुमुखी विकास के लिये पंख अभियान की परिकल्पना की गई है।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी 106 वर्ष के श्री नाथूराम सूत्रकार को घर जाकर दी आर्थिक सहायता

ग्वालियर। राष्ट्रपति से सम्मानित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी 106 वर्ष के श्री नाथूराम सूत्रकार को बुधवार को कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह के निर्देश पर अपर कलेक्टर श्री रिंकेश वैश्य एवं एसडीएम श्री प्रदीप तोमर ने उनके निवास स्थान पर जाकर सहायता राशि प्रदान की। भारत की आजादी में अपना अमूल्य योगदान देने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी 106 वर्ष के श्री नाथूराम सूत्रकार मकान नम्बर 101, न्यू कॉलोनी नम्बर 1 में रहते हैं। उनको अभी हाल ही में भारत छोडो आंदोलन की वर्षगांठ पर 8 अगस्त 2020 को राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया गया। उम्र के इस पडाव में उनको चलने फिरने में काफी परेशानियों का सामना करना पड रहा है। इन्हीं समस्याओं को देखते हुए ग्वालियर कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने रेडक्रॉस के माध्यम से 10 हजार रूपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई है। अपर कलेक्टर श्री रिंकेश वैश ने आर्थिक मदद व उनके घर का अवलोकन करते हुए कहा कि अभी तुरंत आपको नगद आर्थिक सहायता दी जा रही है, आगे और भी आवश्यक सहायता के लिए कलेक्टर व प्रदेश सरकार को अवगत करा दिया जायेगा, जिससे आपके भविष्य को संवारा जा सके। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री नाथूराम सूत्रकार के तीन पुत्र हैं। जिसमें सबसे छोटे पुत्र श्री रमेशचन्द्र दीवान द्वारा उनकी देखरेख की जाती है। घर का खर्च श्री नाथूराम को मिलने वाली पेंशन से चलता है।

समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये किसानों का पंजीयन 25 जनवरी से 20 फरवरी तक

ग्वालियर। समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये किसानों का पंजीयन 25 जनवरी से 20 फरवरी 2021 तक किया जायेगा। रबी विपणन वर्ष 2021-22 के समर्थन मूल्य पर पंजीयन हेतु प्राप्त आवेदनों का पर्यवेक्षण एवं पंजीयन संबंधी विवादों के अंतिम निराकरण हेतु जिला स्तरीय कमेटी का गठन किया गया है। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने जिला स्तरीय समिति के गठन के आदेश जारी किए हैं। जिला स्तरीय समिति के अध्यक्ष कलेक्टर होंगे एवं सदस्य सचिव जिला आपूर्ति नियंत्रक रहेंगे। समिति में सदस्य के रूप में जिला लीड बैंक अधिकारी, उप संचालक कृषि, उपायुक्त सहकारिता, जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, जिला विपणन अधिकारी, जिला प्रबंधक एमपीडब्ल्यूएलसी, जिला प्रबंधक एमपीएससीएससी, सचिव कृषि उपज मण्डी एवं अधीक्षक भू-अभिलेख रहेंगे।

बर्ड फ्लू की स्थिति नियंत्रण में

ग्वालियर। पिछले 3 दिनों से प्रदेश के किसी नये जिले में बर्ड फ्लू की स्थिति निर्मित नहीं हुई है। रविवार से आज तक प्रदेश में 32 जिले बर्ड फ्लू से प्रभावित हैं। इन जिलों में भी स्थिति नियंत्रण में है। पशुपालन विभाग द्वारा स्थिति पर नियंत्रण करने के लिये हरसंभव किये जा रहे प्रयासों को काफी हद तक सफलता मिली है। प्रदेश में 23 दिसम्बर, 2020 से आरंभ हुई बर्ड फ्लू की स्थिति लगातार बढ़ती गई। फिलहाल प्रदेश में नये प्रकरणों की संख्या नगण्य है। अब तक प्रभावित 32 जिलों में इंदौर, आगर, नीमच, देवास, उज्जैन, खण्डवा, खरगोन, गुना, शिवपुरी, राजगढ़, शाजापुर, विदिशा, दतिया, अशोकनगर, बड़वानी, भोपाल, होशंगाबाद, बुरहानपुर, छिंदवाड़ा, डिण्डोरी, मण्डला, सागर, धार, सतना, पन्ना, बालाघाट, श्योपुर, छतरपुर और रायसेन में कौओं और जंगली पक्षियों की तथा झाबुआ, हरदा और मंदसौर जिले में मुर्गियों में बर्ड फ्लू उदभेद शामिल हैं। पशुपालन विभाग द्वारा जिला प्रशासन, वन और ग्रामीण पंचायत विभाग के सहयोग से स्थिति पर नियंत्रण और रोग पर रोकथाम के हरसंभव प्रयास जारी हैं।

क्राइसेस मैनेजमेंट की बैठक अब 23 जनवरी को होगी

ग्वालियर। क्राइसेस मैनेजमेंट की बैठक में ग्वालियर व्यापार मेला आयोजन के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया जा सका । आगामी बैठक 23 जनवरी को पुन~ आयोजित की जायेगी। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में क्राइसेस मैनेजमेंट की बैठक आयोजित हुई। ग्वालियर व्यापार मेला आयोजन के संबंध में आयोजित इस बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष श्री कमल माखीजानी, पूर्व विधायक श्री रमेश अग्रवाल, पूर्व विधायक श्री मदन कुशवाह, चेम्बर ऑफ कॉमर्स के मानसेवी सचिव श्री प्रवीण अग्रवाल, कैट के अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र जैन, एडीएम श्री किशोर कान्याल, अपर कलेक्टर श्री रिंकेश वैश्य, उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारीगण एवं मेला विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। क्राइसेस मैनेजमेंट की बैठक में वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों के न होने और समिति के अन्य सदस्यों के न होने के कारण मेला आयोजन के संबंध में कोई निर्णय आज नहीं लिया गया।

हर हाथ को मिलेगा हुनरः मुख्यमंत्री श्री चौहान

सरकार का सबसे बड़ा फोकस है रोजगार, प्रदेश स्तरीय रोजगार उत्सव में नौजवानों से संवाद

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज भोपाल के मिण्टो हॉल में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश स्तरीय रोजगार उत्सव का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हर हाथ को काम में मिले, इसके लिए लगातार प्रयास होंगे। युवा बुलंद हौसलों के साथ कार्य करें, सरकार उनके साथ है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना काल से बिगड़ी अर्थ-व्यवस्था को तेजी से ठीक करने के प्रयास किए गए हैं। आर्थिक कठिनाइयों का रोना न रोते हुए हमने रास्ते निकाले हैं, यही सरकार और नेतृत्व का दायित्व भी है। आर्थिक गतिविधियों के लिए धन की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। प्रदेश में विभिन्न योजनाओं के तहत विभिन्न हितग्राहियों के खातों में 82 हजार करोड़ रूपये की राशि का अंतरण हुआ है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सरकार के बजट का बड़ा हिस्सा वेतन के वितरण में चला जाता है और इसी बजट से विकास कार्य भी करने होते हैं, लेकिन इससे समझौता नहीं हो सकता। युवाओं को बाजार की मांग और आवश्यकता के अनुरूप प्रशिक्षित करना सरकार की प्राथमिकता है। इसे ध्यान में रखते हुए प्रदेश में अधोसंरचना, कृषि, खाद्य प्र-संस्करण, उद्यानिकी आदि के माध्यम से आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया गया है। खनिजों के दोहन और स्थानीय उत्पाद को प्रोत्साहित करने का कार्य हो रहा है। गत कुछ माह में 100 से अधिक रोजगार मेले भी लगाए गए हैं। हर महीने 1 लाख और वर्ष में 12 लाख युवा रोजगार या स्व-रोजगार हासिल कर लें, यह लक्ष्य लेकर कार्य शुरू किया है। नौजवानों को जीविका का साधन उपलब्ध करवा कर नई जिन्दगी दें, इसी उद्देश्य के साथ मध्यप्रदेश आत्म-निर्भर बनेगा।

मध्यप्रदेश की विशेषताएँ समृद्धि दिलवाएंगी- मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में स्थानीय हुनर को प्रोत्साहन दिया जाएगा। दीपावली पर उपयोग में आने वाला दिया चीन से नहीं आना चाहिए। भारत में निर्मित वस्तुओं का ही उपयोग हो और हम लोकल को वोकल बनाने का कार्य करें। मध्यप्रदेश का बाघ प्रिंट, चंदेरी की साड़ियाँ, अगरिया समुदाय द्वारा निर्मित किए जाने वाले लौह उत्पाद प्रसिद्ध हैं। एक जिला एक उत्पाद के अंतर्गत जिलों के उत्पाद और विशेष वस्तुओं को अंतर्राष्ट्रीय बाजार उपलब्ध करवाने का प्रयास सरकार का है। इन सभी प्रयासों से रोजगार और आर्थिक समृद्धि का मार्ग आसान हो रहा है।

ग्लोबल स्किल पार्क देगा युवाओं को प्रशिक्षण- मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि भोपाल के ग्लोबल स्किल पार्क से प्रथम वर्ष में 6 हजार और फिर आगे प्रतिवर्ष 10 हजार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह अंतर्राष्ट्रीय स्तर का स्किल पार्क होगा। इसे वर्ष 2022 तक निर्मित करने का लक्ष्य है। वर्ष 2019 में इसका निर्माण ठप्प हो गया था। इसे पुन~ गति दी गई है। मॉडल आईटीआई के माध्यम से भी प्रदेश के संभागीय मुख्यालयों में युवाओं को प्रशिक्षित करने की व्यवस्था की गई है। पुरानी योजनाओं की री-पैकेजिंग भी की जा रही है। इन सभी कार्यों में धन की कमी नहीं आने दी जाएगी। निवेश के लिए सभी जरूरी सुविधाएँ दी जाएंगी। प्रदेश में हाल ही में प्रारंभ 20 औद्योगिक इकाइयों ने 4 हजार युवाओं को रोजगार दिया है। ये प्रयास जारी रहेंगे।

श्रम सिद्धि अभियान- मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में 32 लाख नये श्रमिकों को जॉब कार्ड उपलब्ध करवाए गए हैं। करीब 92 लाख श्रमिकों को रोजगार भी दिलवाया गया है। वर्ष 2020-21 में हुआ यह कार्य प्रदेश के इतिहास का सबसे बड़ा रोजगार अभियान भी बन गया।

रोजगार पोर्टल कारगर सिद्ध होगा- कोरोना काल में रोजगार सेतु पोर्टल के माध्यम से 46 हजार नियुक्तियाँ संभव हो सकी। पोर्टल के माध्यम से 35 हजार नियोक्ता और 7 लाख से अधिक प्रवासी श्रमिक एक प्लेटफार्म पर आकर परस्पर जुड़ सके हैं। पुलिस में भर्ती के साथ ही अन्य विभागों के करीब 5 हजार रिक्त पद भरने की प्रक्रिया को गति दी गई है। शहरी और ग्रामीण स्ट्रीट वेंडर्स को ब्याज मुक्त ऋण दिलवाया गया है। मध्यप्रदेश में इस योजना के अंतर्गत शहरी क्षेत्र में हुई प्रगति देश में सर्वश्रेष्ठ है।

औद्योगिक प्रगति के प्रयास- मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आज रोजगार सबसे बड़ी प्राथमिकता है। युवाओं को उनकी योग्यता और क्षमता के मुताबिक कार्य मिले, इसके लिए बहुमुखी प्रयास किए जा रहे हैं।

अवैध रेत परिवहन की जाँच के लिये जिले में 7 नाके स्थापित

ग्वालियर। जिले में अवैध रेत परिवहन की रोकथाम एवं निगरानी के लिये कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने जाँच नाके स्थापित कर अधिकारियों के दल को तैनात किया है। इन नाकों पर 24 घंटे निगरानी की जायेगी। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने ग्वालियर जिले में बिजौली, उटीला, पुरानी छावनी, नयागाँव, डबरा तथा भितरवार शामिल हैं। इन नाकों पर पटवारी एवं संबंधित थाना क्षेत्र का बल लगाया गया है। बिजौली में स्थित नाके पर पटवारी श्री गजेन्द्र छारी, श्री गौरव चौहान, श्री राहुल दुबे तथा गजराज नरवरिया को तैनात किया गया है। इनके साथ संबंधित थाना क्षेत्र का पुलिस बल भी रहेगा। इसी प्रकार उटीला नाके पर पटवारी श्री राहुल भदौरिया, श्री दशरथ धाकड़ तथा श्री अवधेश यादव को तैनात किया गया है। जाँच नाकों में पुरानी छावनी पर श्री सुरेश कुशवाह, श्री पवन नरवरिया व श्री जहार सिंह धाकड़ रहेंगे। भितरवार में पटवारी श्री विकास राठौर, श्री संजय यादव व श्री मनोज नरवरिया को तैनात किया गया है। इसी प्रकार नयागाँव नाके पर पटवारी श्री निशांत शर्मा, श्री राजेश कुरेचिया तथा श्री विकास जैन रहेंगे। सभी नाकों पर संबंधित थाना क्षेत्र का पुलिस बल तैनात रहेगा। डबरा नाके पर पटवारी श्री सुरेश जाटव श्री सिद्धेश्वर भगत, श्री अमित सांगोलिया तथा श्री सुंदर सिंह राणा को पदस्थ किया गया है। इसी प्रकार महाराजपुरा नाके पर पटवारी श्री दीवान सिंह राजपूत, श्री हरिसिंह राजपूत, श्री पंकज शर्मा और श्री दीपेश राजौरिया को तैनात किया गया है। सभी नाकों पर प्रात~ 6 से 2 बजे तक तथा दोपहर 2 से 10 और रात्रि 10 से प्रात~ 6 बजे तक के क्रम में कर्मचारियों को तैनात किया गया है। कलेक्टर ने नाकों पर दल तैनात करने के साथ ही एक फ्लाइंग स्क्वॉयड भी गठित किया है। इस फ्लाइंग स्क्वॉयड में संबंधित तहसील के तहसीलदार एवं आवश्यक पुलिस बल को रखा गया है। जाँच के दौरान अवैध परिवहन पाए जाने पर संबंधित वाहन को पुलिस बल की सहायता से नजदीकी थाने में सुरक्षित रखा जायेगा तथा प्रतिवेदन खनिज शाखा को प्रस्तुत किया जायेगा।

सेल के यार्ड को ग्वालियर में ही रखा जाए : एमपीसीसीआई

ग्वालियर। म.प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री (एमपीसीसीआई) द्वारा स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड (सेल) के ग्वालियर स्थित यार्ड को ग्वालियर से हटाकर कानपुर भेजे जाने के विरोध में आज पुन~ केन्द्रीय इस्पात मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, राज्यसभा सदस्य एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं ग्वालियर सांसद विवेक नारायण शेजवलकर को पत्र प्रेषित किये गये हैं। एमपीसीसीआई अध्यक्ष-विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल, उपाध्यक्ष-पारस जैन, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल एवं कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अवगत कराया गया है कि सेल के ग्वालियर स्थित यार्ड को कानुपर शिफ्ट करने के निर्णय से ग्वालियर अंचल के कारोबारी एवं उद्योगपति परेशान हैं क्योंकि सेल के ग्वालियर स्थित यार्ड से ग्वालियर अंचल की फैक्टरियों एवं कारोबारियों को प्रतिमाह लगभग 2000 टन स्टील की आपूर्ति की जाती है। यदि यार्ड बंद हुआ तो स्टील कारोबार पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। एमपीसीसीआई को व्यापारियों द्वारा बताया गया है कि ग्वालियर स्थित सेल के यार्ड से लगातार सामान जा रहा है, कच्चा मटेरियल उठवाने के लिए ठेकेदार का कॉन्ट्रेक्ट बढाया गया है। ग्वालियर में स्टील यार्ड की खुद की जगह होने के कारण किराया नहीं देना पड़ता है, वहीं यदि यार्ड पर माल आसपास के क्षेत्र के उद्यमियों की आवश्यकता के अनुसार मंगवाया जाए तो यह एक बेहतर यार्ड में शामिल हो सकता है।

राष्ट्रीय बालिका सप्ताह में शाखा समर्पण का सेवा प्रकल्प जारी

ग्वालियर। भारत विकास परिषद ने 51 बालिकाओं को बांटे गर्म कैप, गर्म मौजे व गर्म दस्ताने व मास्क। भारत विकास परिषद महिला एवं बाल विकास द्वारा आयोजित राष्ट्रीय बालिका सप्ताह जो 16 जनवरी से 24 जनवरी तक चलने है। 19 जनवरी को गायत्री धीमान ने शिक्षित कन्या है वरदान पर व मानसी सचदेवा ने बेटी पढ़ाओ बेटी बढ़ाओ पर सुंदर प्रस्तुति दी अनन्या ठोड़ी ने संस्कारित बेटियों पर सुंदर प्रस्तुति दी। इसी कड़ी में 20 जनवरी को भारत विकास परिषद की शाखा समर्पण द्वारा आज साइंस कॉलेज के बाहर आज दोहपर 51 बच्चों को गर्म कैप व गर्म मौजे व गर्म दस्ताने एवम टोस्ट व बिस्कुट के पैकेट झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले बच्चों को बांटे गए। प्रान्त की और से श्रीमती ज्योति शर्मा प्रान्त महिला प्रमुख के मुख्य आतिथ्य में व डॉ वन्दना भूपेंद्र प्रेमी अध्यक्ष बेटी है तो कल है के विशिष्ट आतिथ्य एवम प्रान्तीय संघठन मंत्री संजय धवन की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में ज्योति शर्मा ने 16 से 24 तक होने वाले कार्यक्रम की सम्पूर्ण जानकारी दी। वन्दना भूपेंद्र प्रेमी ने बच्चों को मुख्य रूप से बच्चियों को शिक्षाप्रद जानकारी से अवगत कराया । कार्यक्रम का संचालन गिरीश अग्रवाल एव आभार प्रदीप लक्षणे ने व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रांतीय संगठन मन्त्री व संस्थापक संजय धवनजी, उपाध्यक्ष गिरीश अग्रवाल, सचिव प्रदीप लक्षणे, कोषाध्यक्ष सह सचिव महेश धीमान, बसन्त कोडेला, सतीश राजोरिया व मातृशक्ति के रूप में मधु धवन मधु धीमान विम्मी सचदेवा व मानसी सचदेवा शशि अग्रवाल पुष्पा प्रजापति आदि उपस्थित थी।

GPS BASED VEHICLE TRACKING SYSTEM & MANAGEMENT FROM W2TRACK SOLUTIONS
Please call us for demo/order: +91 9827270016/7738373527/7738373526
जीपीएस आधारित वाहन ट्रैकिंग और वाहन प्रबंधन प्रणाली - अपने परिवहन प्रणाली को अधिक उत्पादक, सुरक्षित और उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाएं।
W2TRACK
✓GPS based Track, Monitor & Analyze your vehicles in real-time
✓Digital records of all your fleet operations at Central place
✓Optimise your Routes, Scheduling and Dispatch
✓Improve Driver Behaviour, remotely immobilize vehicle etc.
✓Improve productivity, efficiency & safety
✓Manage fleet expenses & reduce operational cost (ROI)
✓Power Your Fleets with Latest AIS 140 GPS Devices
Website & Mobile based Application/Software
MAKE IN INDIA
₹2999
Basic GPS Based Fleet Monitoring System with Advanced Reporting
RTO ApprovedNTEGRATE AIS 140 GPS Device (ARAI/ICAT Approved)
PUBLIC TRANSPORT VEHICLES
-SCHOOL BUSES
-TAXI/CABS
-TRANSIT BUSES
-INTERCITY BUSES
COMMERCIAL VEHICLES
SABA TECHNOSOFT
Deliver The Best, Performance Assured
₹5999
GSTIN: 27ACUFS2949C1ZO www.w2track.com (Locations PAN India GPS Service)

किसानों के पंजीयन एवं उपार्जन हेतु तकनीकी समिति का गठन

ग्वालियर। रबी विपणन वर्ष 2021-22 में किसानों का पंजीयन 25 जनवरी से 20 फरवरी तक किया जायेगा। समर्थन मूल्य पर गेहूँ पंजीयन एवं उपार्जन में आने वाली तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिये तकनीकी समिति का गठन किया है। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के अनुसार तकनीकी समिति में जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी श्रीमती प्रीति निगम, जिला प्रबंधक ई-गवर्नेंस श्री आशीष जैन, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री महावीर सिंह राठौर, डाटा ऑपरेटर श्री सुरेन्द्र तिवारी एवं श्री रवि यादव को रखा गया है। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने पंजीयन एवं उपार्जन संबंधी विषयों के निराकरण हेतु अपर कलेक्टर श्री रिंकेश वैश्य को नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है।

प्रो.- विपिन सिंह तोमर
(संचालक सौम्या प्रापर्टी डीलर)
मो.-9301759475
9713253992
मेल- vipintomar172@gmail.com
सौम्या प्रोपर्टी डीलर
आवासीय भूमि (प्लॉट, फ्लैट, मकान, बंगला, खरीदने, बेचने व किराये) पर लेने देने के लिये सम्पर्क करें
ग्वालियर शहर में प्रोपर्टी खरीदने व बेंचने के लिये सम्पर्क करें
पता- दुकान न. 3/4 तोमर मार्केट, गायत्री मंदिर वाली गली, पिंटो पार्क, ग्वा.

PTV NEWS INDIA प्रतिभा हम निखारेंगे
PUSHPANJALI TODAY न्यूज नई सोच नई पहल
अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे ।
तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार
आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं
हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।
PUSHPANJALI TODAY न्यूज नई सोच नई पहल
Whatsapp :- 9425665944,7999246560, 9691270207
gmail - pushpanjalitoday@gmail.com
नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम/ पता / अवश्य भेंजे

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कालोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निअर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478